आज का सुविचार

लगन के बिना किसी में भी महान प्रतिभा उत्पन्न नहीं हो सकती। - अरस्तू

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-45 भोपाल, सोमवार 27 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

3 दिन में 'मधुबन में राधिका नाचे' गाना नहीं हटाया गया तो सनी लियोन पर होगी एफआईआसर : नरोत्तम मिश्रा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी के गाने 'मधुबन में राधिका नाचे' पर मध्य प्रदेश में बवाल मच गया है. प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सनी लियोनी से माफी मांगने को कहा है. गृह मंत्री मिश्रा ने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. राज्य सरकार सनी लियोनी के नए गाने पर विधि विशेषज्ञों से परामर्श ले रही है और 3 दिन के अंदर यदि सनी लियोनी गाने को लेकर माफी नहीं मांगती हैं और यूट्यूब से गाना नहीं हटाया जाता है तो सरकार सनी लियोन और शारिब तोशी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कर कार्रवाई करेगी. गृह मंत्री ने कहा

दिग्विजय सिंह जैसे विधर्मी लोग हिंदू धर्म को बदनाम करने का काम कर रहे हैं. वीर सावरकर को लेकर दिग्विजय सिंह के बयान पर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी को बताना चाहिए कि दिग्विजय सिंह के बयान पर उनका स्टैंड क्या है, क्या वह दिग्विजय सिंह के बयान का समर्थन करते हैं.

रिलीज के बाद से गाना विवाद में फंसा

गौरतलब है कि सनी लियोनी इन दिनों अपने नए गाने 'मधुबन' को लेकर सुर्खियों में हैं. 22 दसिंबर को रिलीज होने के बाद से सनी लियोनी और इस गाने पर बवाल मच गया है. गाने के वीडियो में सनी लियोनी के डांस पर लोगों ने आपत्ति ली है. मध्य प्रदेश के अलाव उत्तर प्रदेश के मथुरा के संत भी इस गाने के वीडियो पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर चुके हैं. संतों ने सनी लियोनी के डांस को अश्लील बताया. उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की आइटम डांसर ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है.

यूट्यूब पर रिलीज हुआ है गाना

आपको बता दें कि सनी लियोनी के 'मधुबन ' गाने को सारेगामा म्यूजिक के यूट्यूब पर रिलीज किया गया है. ये पार्टी सॉन्ग हैं, जिसे सनी लियोन पर फिल्माया गया है. ये गाना साल 1960 की फिल्म 'कोहिनूर' में मोहम्मद रफी के गाने 'मधुबन में राधिका नाचे' पर आधारित है. कनिका कपूर और अरिंदम चक्रवर्ती ने इस गाने को आवाज दी है. सनी ने इस गाने का जमकर प्रमोशन भी किया, लेकिन गाना विवादों में फंस गया।

अदालत ले जाएंगे इस मामले को

दूसरी ओर वृंदावन के संत नवल गिरि महाराज ने हाल ही में इस गाने को लेकर कहा था- 'अगर सरकार ने एक्ट्रेस के खिलाफ कार्रवाई नहीं की और उसके वीडियो एल्बम पर प्रतिबंध नहीं लगाया तो हम अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे.' उन्होंने कहा कि सनी लियोनी को भारत में तब तक रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि वह वीडियो में को वापस नहीं ले लेती और सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगती।

पंचांग

पौष कृष्णा षष्ठी, सोमवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:42
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	36 %
वायु (किमी/घ.)	10
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,690

सलमान को सांप ने काटा पनवेल के फॉर्म हाउस में क्रिसमस मनाने गए थे एक्टर

नई दिल्ली। एक्टर सलमान खान को शनिवार को सांप ने काट लिया। सलमान क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए पनवेल स्थित अपने फार्म हाउस पर गए थे। वहीं देर रात यह घटना हुई। इसके बाद रात 3 बजे सलमान को कमोठे MGM अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, सांप जहरीला नहीं था। इलाज के बाद सलमान को डिस्चार्ज भी कर दिया गया। उनकी तबीयत अब ठीक बताई जा रही है। इलाज के बाद सलमान रविवार सुबह 9 बजे अपने फार्म हाउस लौट आए हैं। वे परिवार और दोस्तों के साथ क्रिसमस मनाने पनवेल फार्म हाउस पहुंचे थे। यह इलाका पहाड़ियों और जंगल से घिरा हुआ है। इस परिसर में अक्सर सांप और अजगर दिखाई देते हैं। सलमान खान 27 दिसंबर को अपना 56वां बर्थडे मनाने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान अपना बर्थडे सेलिब्रेशन भी इसी फॉर्म हाउस पर करने वाले थे। हालांकि इस घटना के बाद मुश्किल ही है कि सलमान अब ग्रैंड बर्थडे पार्टी होस्ट करें।

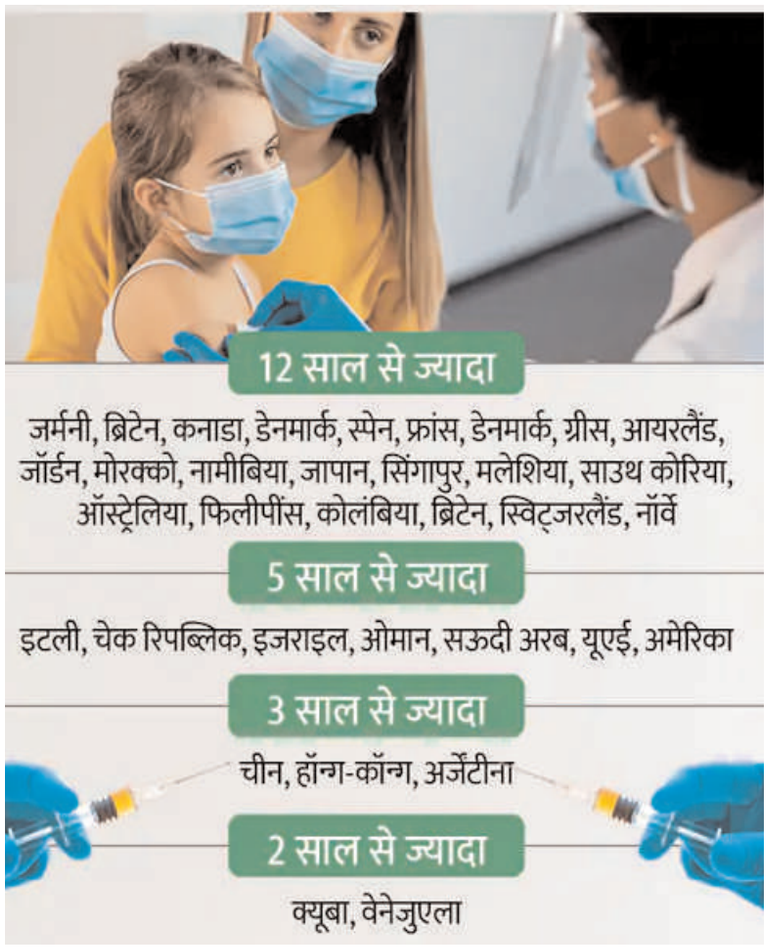

अगले हफ्ते से बच्चों को कोरोना वैक्सीन

देश में 15-18 साल के 10 करोड़ बच्चों को टीका लगेगा; रजिस्ट्रेशन, वैक्सीनेशन सेंटर को लेकर अभी भी सवाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम देश के नाम संबोधन में इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह फैसला स्कूल-कॉलेजों में जा रहे हमारे बच्चों और उनके माता-पिता की चिंता कम करेगा। बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के तरीके को लेकर पेरेंट्स थोड़े कन्फ्यूज हैं। दरअसल, घोषणा करते हुए मोदी ने यह साफ नहीं किया कि वैक्सीन कैसे लगेगी। रजिस्ट्रेशन की क्या प्रक्रिया होगी। बच्चों को टीका लगाए जाने के तरीके को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है।

वैक्सीन स्कूलों में लगेगी या सेंटर्स पर

सवाल वैक्सीनेशन सेंटर को लेकर भी है। अगर मौजूदा सेंटर्स पर बच्चों को वैक्सीन लगती है तो उन्हें बड़ों के साथ ही खड़ा होना होगा। साथ ही स्कूलों में भी वैक्सीनेशन की व्यवस्था करने की चर्चा है। हालांकि, सरकार की ओर से फिलहाल इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। ऑफिशियल आंकड़ों के मुताबिक, देश में करीब 10 करोड़ बच्चे 15-18 साल की उम्र के बीच हैं। सरकार का प्रयास होगा कि जल्द से जल्द इन बच्चों को वैक्सीन की पहली डोज लगा दी जाए। मालूम हो कि देश में बच्चों की वैक्सीन की मांग लंबे अरसे से की जा रही है।

बच्चों के लिए नीडल फ्री वैक्सीन

सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने तीसरी लहर की चेतावनी के बाद 12 मई को बच्चों पर कोवैक्सिन के ट्रायल की सिफारिश की थी। बच्चों के लिए बनाई जा रही जायडस कैडिला की नीडल फ्री वैक्सीन ZyCoV-D को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। ZyCoV-D के बाद कोवैक्सिन देश की दूसरी वैक्सीन है, जिसे इमरजेंसी यूज की मंजूरी मिली है।

कोरोना की अब तक 1.41 अरब डोज लगाई गई

देश में इस साल 16 जनवरी से कोविड वैक्सीनेशन शुरू हुआ। अब तक 1.41 अरब डोज लगाई जा चुकी हैं। एडल्ट्स आबादी में से 61त्न से ज्यादा को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। करीब 90त्न एडल्ट्स को वैक्सीन की एक डोज लगी है।

19 राज्यों में ओमिक्रॉन के 474 केस

भारत में ओमिक्रोन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रविवार को यह आंकड़ा बढ़कर 474 हो गया। अब तक 19 राज्यों में नए वैरिएंट के केस मिल चुके हैं। इसके सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में हैं, इसके बाद गुजरात में 49, राजस्थान में 43 और तेलंगाना में नए वैरिएंट से संक्रमित 41 मरीज मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में भी सबसे ज्यादा मामले मुंबई में सामने आ रहे हैं।

30 से ज्यादा देशों में बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही

दुनियाभर के 30 से भी ज्यादा देश अलग-अलग शर्तों के साथ बच्चों को कोरोना वैक्सीन दे रहे हैं। क्यूबा में 2 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही है तो वहीं, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस में 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों का वैक्सीनेशन हो रहा है।

12 से 18 तक की उम्र वालों को स्वदेशी कोवैक्सिन लगेगी

वहीं, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने भारत बायोटेक की तरफ से तैयार की गई बच्चों की कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सिन के इमरजेंसी यूज की मंजूरी दे दी है। ष्ठष्टत्रढ्ढ की मंजूरी के बाद भारत बायोटेक की वैक्सीन फिलहाल 12 से 18 साल तक के किशोरों को लगाई जा सकेगी।

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव टलेगा

कैबिनेट ने इलेक्शन कराने को लेकर जारी अध्यादेश वापस लिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव टलने के आसार हैं। दरअसल, कैबिनेट ने पंचायत चुनाव कराने के लिए हाल ही में जारी अध्यादेश को वापस ले लिया है। साथ ही यह प्रस्ताव राज्यपाल को भेज दिया गया है। अंतिम फैसला राज्य निर्वाचन आयोग लेगा। MP में पंचायत चुनाव 3 चरणों में होने थे। पहले चरण में सात हजार 527, दूसरा चरण में 7,571 और तीसरे चरण में 8,814 पंचायतों के चुनाव कराए जाने की चर्चा थी। इसके साथ ही जिला और जनपद पंचायत के सदस्यों के चुनाव होने हैं।

कोरोना : मध्य प्रदेश में 8, हिमाचल में 1 और ओडिशा में 4 नए ओमिक्रॉन केस; सभी विदेश से लौटे थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मध्यप्रदेश में ओमिक्रॉन के 8 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। सभी मरीज इंदौर के हैं। इनमें से 6 स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं, जबकि 2 अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कि इंदौर में 26 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले थे। इनके टेस्ट सैंपल्स जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए दिल्ली भेजे गए थे। सैंपल की जांच में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई। संक्रमितों में सर्दी-खांसी के लक्षण भी नहीं देखे गए हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में पहले ओमिक्रॉन संक्रमित की पुष्टि हुई है। मंडी जिले की संक्रमित महिला कनाडा से लौटी थी। ओडिशा में भी विदेश से लौटे 4 लोगों में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में 2

नाइजीरिया, जबकि 2 सऊदी अरब और UAE से लौटे थे। देश में अब तक ओमिक्रॉन के कुल 474 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर बेंगलुरु में कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। रविवार को हुई इस बैठक में कई फैसले लिए गए। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के. सुधाकर ने बताया कि राज्य में 28 दिसंबर से 10 दिनों तक के लिए नाइट कर्फ्यू लगाया जाएगा। यह रात 10 से सुबह 5 बजे तक रहेगा। राज्य में धारा 144 भी लगा दी गई है। वहीं होटल, पब और रेस्टोरेंट जैसी जगहों पर क्षमता के 50त्न लोगों को ही मौजूद रहने की अनुमति दी गई है।

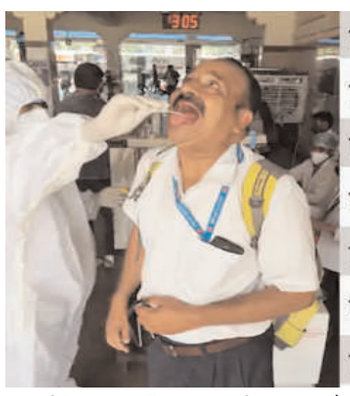

देश में ओमिक्रॉन के कुल 474 केस; महाराष्ट्र और दिल्ली में सबसे ज्यादा ओमिक्रॉन संक्रमित:- देश में ओमिक्रॉन के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 474 हो गई है। महाराष्ट्र (108) और दिल्ली (79) में अब तक ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा संक्रमित मिले हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक ओमिक्रॉन के 130 पेशेंट ठीक हो चुके हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 6,987 नए मामले दर्ज किए गए और कोरोना से 162 लोगों की मौत हुई। देश में कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट 98.40 फीसदी है। मध्यप्रदेश में 24 घंटे में 41 केसऱ्इंदौर और भोपाल बने हॉटस्पॉट; भोपाल में 6 साल का बच्चा मिला संक्रमित

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

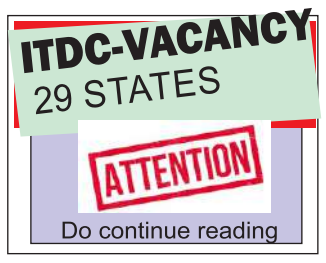

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

Job Openings
ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

विक्रमादित्य और रामजन्म मंदिर पुनर्निर्माण

कम ही लोगों को पता है कि महाराज विक्रमादित्य ने भी बाबा महाकाल मंदिर की शोभा बढ़ाने के साथ लोप हो चुकी अयोध्या की खोज करने तथा श्री रामजन्म मंदिर के पुनर्निर्माण का महती कार्य किया था। आज से कोई 2078 बरस पहले, जिसे बाबर के सेनापति मीर बांकी ने 1528 में ध्वस्त किया था और जिस पर अब भव्य राममंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा है। इसके साथ अयोध्या में 240 नये मंदिरों तथा 60 प्राचीन मंदिरों के निर्माण का श्रेय भी महाराजा विक्रमादित्य को जाता है।

यह कोई कपोल कल्पित बात नहीं है, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय में दी गयी तथ्यात्मक दलील का भाग है, जिसे न्यायालय द्वारा मान्यता दी गयी है। इसका विस्तार से उल्लेख गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'अयोध्या दर्शन' में भी मिलता है।

उल्लेखनीय है कि श्रीरामजन्मभूमि पक्ष की ओर से कहा गया था कि उस स्थान पर महाराजा विक्रमादित्य के समय से एक मंदिर था जिसके कुछ हिस्से को बाबर की सेना के कमांडर मीर बांकी ने नष्ट किया और मस्जिद बनाने का प्रयास किया था। उसने उसी मंदिर के खंभे आदि का इस्तेमाल किया। काले कसौटी पत्थर के बने खंभों पर हिन्दू देवी-देवताओं की आकृतियां खुदी हुई थी। इस निर्माण कार्य का बहुत विरोध हुआ और हिन्दुओं ने कई बार लड़ाइयां लड़ीं जिसमें लोगों की जानें भी गई। अंतिम लड़ाई 1855 में लड़ी गयी थी। इन सबके कारण वहां मस्जिद की मीनार कभी नहीं बन सकी और वुजू के लिए पानी का प्रबंध भी कभी ना हो सका।

सुप्रसिद्ध जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने भी श्री नागेश्वरनाथ मंदिर के प्रति अपने विचार प्रकट करते हुए लिखा है कि- 'इस मंदिर पर नामालूम कितनी आंधियां और भयंकर तूफान आए परंतु यह सबको बर्दाश्त करता हुआ अपने स्थान पर अडिग और अचल खड़ा है।' महाराज विक्रमादित्य ने जब अयोध्या की पुनः खोज की तो सबसे पहले इसी स्थान का पता लगा। जनश्रुति के अनुसार महाकवि कालिदास को 'स्त्रीयोनि' में जन्म लेने का श्राप यहीं से मिला था। डाउसन के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य ने 240 नये मंदिर बनवाये और 60 का जीर्णोद्धार किया।

शुभशील के पंचशती बोध में महाराजा विक्रमादित्य द्वारा अयोध्या में उत्खनन कर चर्मकार स्त्री की स्वर्णजरी की जूतियां अन्वेषण की कथा है। अयोध्या दर्शन (गीता प्रेस, गोरखपुर, पृष्ठ 98-99) के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य द्वारा निर्मित प्राचीन मंदिरों में हैं-

1. श्रीरामजन्म भूमि मंदिर

श्रीराम जन्म स्थान पर कसौटी पत्थर के 84 स्तंभों और सात कलश वाला मंदिर महाराजा विक्रमादित्य ने बनवाया था। जिसे 1528 ई. में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बांकी ने ध्वस्त कर दिया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किये गये उत्खनन में वहां हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां, प्रतीक और स्तंभ प्राप्त हुए हैं, जिसके आधार पर वहां एक भव्य मंदिर था, इस बात की पुष्टि हुई है।

2. कनक भवन

अयोध्या राजवंश के पराभव के बाद कनक भवन भी जर्जर होकर ढह गया। सोने का यह महल माता कैकेयी ने सीताजी को मुंह दिखाई में दिया था। यह श्रीराम-जानकी का विहारस्थल है। महाराजा विक्रमादित्य ने 57 ई.पू. में कनक भवन का पुनर्निर्माण कराया। उसे लगभग 11वीं शती ई. में यवनों ने ध्वस्त कर दिया। वर्तमान कनक भवन का निर्माण ओरछा नरेश सवाई महेन्द्र श्रीप्रताप सिंह की धर्मपत्नी महारानी वृषभानुकुंवरि द्वारा सन् 1891ई. में करवाया।

3. रत्नसिंहासन मंदिर

जन्मस्थान के पास रत्न मंडप ही रत्न सिंहासन मंदिर है। यहां भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था। कनक भवन के निकट यह दक्षिण में है। यहां विक्रमादित्य कालीन तीन मूर्तियां हैं। दुर्भाग्य से यह स्थान अपनी स्वतंत्र पहचान खोता जा रहा है।

4. लक्ष्मण मंदिर, सहस्त्रधारा तीर्थ

सहस्त्रधारा तीर्थ (लक्ष्मण घाट पर) लक्ष्मण जी के शरीर छोड़ने के स्थान पर बना मंदिर है। यहां रामाज्ञा से श्री लक्ष्मणजी शरीर छोड़कर परमधाम पधारे थे। यहां मंदिर में शेषावतार लक्ष्मणजी की 5 फुट ऊंची चतुर्भुज मूर्ति है। यह मूर्ति सामने कुंड में पायी गयी थी। लक्ष्मण घाट पर यह मंदिर लक्ष्मण किला के निकट स्थित है। नागपंचमी एवं पूरे वैशाख मास में यहां विशेष भीड़ रहती है।

5. बड़ी देवकाली (शीतलादेवी दुर्गाकुण्ड पर)

इन्हें भगवान श्रीरामचंद्रजी की कुलदेवी कहा जाता है। द्वापर युग में सूर्यवंशी महाराज सुदर्शन द्वारा यहां एक मंदिर की स्थापना की गई। कालांतर में महाराजा विक्रमादित्य ने शालग्राम शिलामय की त्रिदेवियों की स्थापना की गयी। यहां एक ही शिला में महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती शक्तियंत्र सहित अंकित है। अयोध्या के इस आदिशक्तिपीठ पर आज भी अयोध्यावासी बड़ी श्रद्धा रखते हैं। यहां एक जल से परिपूर्ण सरोवर (कुंड) भी है। 2002 ई. में मंदिर एवं सरोवर का जीर्णोद्धार किया गया है। यह फैजाबाद चौक से आग्नेय (दक्षिण पूर्व) कोण में स्थित है।

6. छोटी देवकाली गिरिजा (ईशान देवी) मंदिर

इस विग्रह की स्थापना त्रेतायुग में श्री सीताजी द्वारा की गई थी जिसे वे अपने साथ जनकपुर से लायी थीं। यह स्थान मत्तगजेन्द्र चौराहे के पास सप्तसागर के निकट अयोध्या में ही है।

न्यूज ब्रीफ

आयात शुल्क में कमी के बाद बीते सप्ताह सोयाबीन तेल, सीपीओ में गिरावट

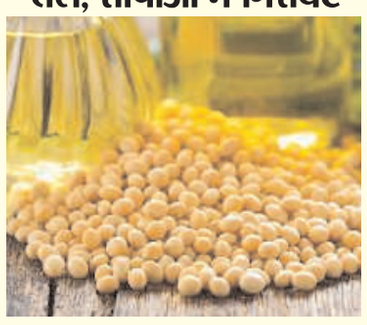

नई दिल्ली। देश में खाद्यतेलों के दामों में तेजी पर अंकुश लगाने के लिए सभी रिफाइंड तेलों के आयात शुल्क में की गई कमी के बाद बीते सप्ताह देश के प्रमुख तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई बाजार सूत्रों ने कहा कि मुर्गीपालन व्यवसाय के प्रतिनिधि काफी समय से डीओसी की उपलब्धता बढ़ाने की मांग कर रहे थे और सरकार ने इस बात को ध्यान में रखते हुए डीओसी पर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित कर दी है। इसी बीच सोयाबीन की मांग बढ़ने तथा किसानों के द्वारा नीचे के भाव पर बिकवाली से बचने के कारण सोयाबीन दाना और लूज के भाव अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में लाभ दर्शाते बंद हुए। उन्होंने कहा कि आयात शुल्क में कमी किये जाने के बाद आयातित तेल सोयाबीन डीगम के भाव में गिरावट आई जिसका असर बाकी सोयाबीन तेल कीमतों पर भी हुआ। सामान्य कारोबार के बीच हल्के तेल की मांग होने से सोयाबीन दिल्ली तेल का भाव अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में मामूली सुधार के साथ बंद हुआ। किसान नीचे भाव में अपनी ऊपज बेचने से बच रहे हैं और सोयाबीन की कम उपलब्धता होने की वजह से पेराई संयंत्र अपनी क्षमता के 30-35 प्रतिशत का ही उपयोग कर पा रही हैं। उन्होंने कच्चा पामतेल के बारे में कहा कि जाड़े में इसकी मांग सामान्य तौर पर कम होती है मगर मौजूदा स्थिति में पामोलीन का भाव सीपीओ से नीचे चल रहा है। आयातकों को सीपीओ का आयात कर उसका पामोलीन तेल बनाने में प्रसंस्करण का खर्च काफी महंगा बैठता है और पामोलीन सीपीओ के मुकाबले सस्ते में उपलब्ध है। इसलिए सीपीओ की मांग बेहद कमजोर होने की वजह से अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में सीपीओ में गिरावट देखी गई। आयातक पामोलीन के आयात पर जोर दे रहे हैं। इसकी वजह से पामोलीन के भाव पूर्ववत बने रहे। सूत्रों ने कहा कि तिलहन व्यापारी, किसान, मिल वालों के पास जो सरसों का स्टॉक था, उसे बाजार में निकालने से इसमें गिरावट आई है। वैसे लगभग दो महीने बाद सरसों की नयी फसल आयेगी तभी स्थिति में सुधार दिखेगा। उन्होंने कहा कि बिनौला के बीज महंगे दाम पर बिक रहे हैं जबकि तेल का दाम कम है। इस बेपड़ता स्थिति के कारण बिनोला तेल में सुधार है। बीज की अनुपलब्धता के कारण इसके पेराई की लगभग 50 प्रतिशत मिलें बंद हो चुकी हैं। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 600 रुपये की गिरावट के साथ 7,975-8,025 रुपये प्रति क्विंटल रह गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,500-8,525 रुपये प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 500 रुपये घटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 16,000 रुपये क्विंटल रह गया। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमत 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,515 रुपये और 2,570-2,680 रुपये प्रति टिन रह गईं।

जियो का हैप्पी न्यू ईयर प्लान लॉन्च:कंपनी ने 2545 रुपए वाले प्लान की वैलिडिटी सालभर की, इस रिचार्ज से आपके 239 रुपए बचेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने हर साल की तरह अपना हैप्पी न्यू ईयर ऑफर लॉन्च कर दिया है। इस ऑफर में कंपनी सालभर वाला रिचार्ज कराने पर ज्यादा वैलिडिटी टाइम ऑफर कर रही है। यह ऑफर क्रिसमस के मौके पर शनिवार को ही लॉन्च किया गया है। इस ऑफर के तहत 2 जनवरी तक रिचार्ज कराया जा सकता है। खास बात ये है कि यदि आप ये प्लान 1 जनवरी को लेते हैं, तब 2022 में पूरा साल आपको रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं होगी।

क्या है जियो का हैप्पी न्यू ईयर प्लान?

जियो ने अपने 2545 रुपए वाले प्लान को हैप्पी न्यू ईयर प्लान में बदल दिया है। पहले इस प्लान में 336 दिन की वैलिडिटी मिल रही थी, जिसे बढ़ाकर अब 365 दिन कर दिया गया है यानी कंपनी इस रिचार्ज पर ग्राहकों को अब 29 दिन का ज्यादा वैलिडिटी टाइम ऑफर कर रही है। कुल मिलाकर आपको सिंगल रिचार्ज पर सालभर की वैलिडिटी मिलेगी।

कंपनी 2545 रुपए वाले हैप्पी न्यू ईयर प्लान में 365 दिन तक रोजाना 1.5लक्र डेटा देगी यानी यूजर को इस प्लान में कुल 504GB डेटा दिया जाएगा। डेली लिमिट खत्म होने के बाद इंटरनेट की स्पीड घटकर 64Kbps हो जाएगी। प्लान में अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग के साथ डेली 100 स्क्रू भी फ्री मिलेंगे। इसके साथ जियो के ऐप्स जैसे, जियो टीवी, जियो सिनेमा, जियो सावन म्यूजिक, जियो न्यूज या अन्य का सब्सक्रिप्शन भी फ्री दिया जाएगा।

ग्राहक को 239 रुपए का फायदा मिलेगा

2545 रुपए वाले प्लान में पहले 336 दिनों की वैलिडिटी मिल रही थी, जिसे बढ़ाकर 365 दिन कर दिया गया है यानी यूजर को 29 दिन की वैलिडिटी एक्सट्रा दी जा रही है। जियो के 28 दिन की वैलिडिटी वाले डेली 1.5GB डेटा प्लान की कीमत 239 रुपए है यानी हैप्पी न्यू ईयर प्लान से अब ग्राहक की 239 रुपए बच जाएंगे।

चीन के साथ टेंशन का ट्रेड पर असर नहीं

भारत ने रिकॉर्ड 6.59 लाख करोड़ रु. का आयात किया

ये पिछले साल से 49 फीसदी ज्यादा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच आपसी कारोबार इस साल रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। एक जनवरी से 30 नवंबर 2021 के बीच दोनों देशों में कुल 8.57 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो पिछले पूरे साल के मुकाबले 46.4 फीसदी ज्यादा है। अहम बात यह है कि इन 11 महीने में भारत ने चीन से 6.59 लाख करोड़ रु. का सामान खरीदा, जो पिछले साल के मुकाबले 49 फीसदी ज्यादा है। वहीं, चीन ने भारत से कुल 1.98 लाख करोड़ रु. का सामान खरीदा, जो पिछले साल के मुकाबले 38.5 फीसदी ज्यादा है। इसके बावजूद भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 4.61 लाख करोड़ हो गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। दोनों देशों के बीच रिकॉर्ड कारोबार का यह आंकड़ा दुनिया को इसलिए चौंका रहा है, क्योंकि पिछले साल से दोनों देशों के बीच एलएसी पर तनाव बढ़ा हुआ है। दोनों तरफ से 50-50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात हैं। यह संख्या 1962 के युद्ध के बाद सबसे ज्यादा है।

चीन ने भारत से 1.98 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा

2021 में अब तक व्यापार घाटा 4.61 लाख करोड़ रहा

2021 भारत से व्यापार के नजरिए से चीन के लिए बेहद अच्छा रहा:- सीमा विवाद को लेकर कमांडर लेवल की 12 वार्ता विफल होने के बावजूद दोनों देशों में विदेश मंत्रालय स्तर पर समन्वय बरकरार है। चीनी सरकार द्वारा जारी व्यापार आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 भारत से व्यापार के नजरिए से उनके लिए बेहद अच्छा रहा है। व्यापार बढ़ाने के लिए दोनों देश हाईलेवल इकोनॉमिक एंड ट्रेड डायलॉग (एचईटीडी) बनाने पर राजी हो चुके हैं। इसमें भारत के विदेशमंत्री और चीन के वाइस प्रीमियर शामिल होंगे।

2020 में चीन से भारत आया 6.6 लाख करोड़ का माल

2020 में भारत का चीन से व्यापार 6.6 लाख करोड़ (87.6 अरब डॉलर) का था। इसमें करीब 50.28 लाख अरब डॉलर चीन से भारत को आयात था। इसके पहले साल 2019 में भारत ने चीन से सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक मशीनरी और इक्विपमेंट (20.17 अरब डॉलर) का आयात किया, इसके अलावा ऑर्गनिक केमिकल 8.39 अरब डॉलर, उर्वरक 1.67 अरब डॉलर भारत के शीर्ष आयात थे।

भारत लौह अयस्क और पेट्रोलियम ईंधन का करता है निर्यात

भारत से चीन का निर्यात मुख्य रूप से लौह अयस्क, पेट्रोलियम ईंधन, कार्बनिक रसायन, रिफाइंड कॉपर, कॉटन यार्न का होता है। इसके अलावा निर्यात होने वाली खाद्य वस्तुओं में मछली एवं सी फूड, काली मिर्च, वनस्पति तेल, वसा आदि प्रमुख हैं। ग्रेनाइट ब्लॉक एवं अन्य बिल्डिंग स्टोन और रॉ कॉटन का भी निर्यात हुआ।

इन चीजों का होता है आयात:- पिछले कुछ साल से भारत में चीन से आयात होने वाली प्रमुख वस्तुओं में ऑटोमेटिक डेटा प्रोसेसिंग मशीन एवं यूनिट, टेलीफोन इक्विपमेंट और वीडियो फोन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, ट्रांजिस्टर्स एवं सेमीकंडक्टर डिवाइस, एंटीबायोटिक्स, उर्वरक, साउंड रिकॉर्डिंग , डिवाइस और टीवी कैमरा, ऑटो कम्पोनेंट एवं एसेसरीज और प्रोजेक्ट गुड्स शामिल हैं। भारत अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर चीन से तैयार उत्पादों का आयात करता है। इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर बाजार में चीन हावी है।

बैंक हॉलिडे लिस्ट

बैंक में काम है तो छुट्टियों के ये दिन रखें याद

जनवरी में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक

तारीख	बंद रहने का कारण	कहां बंद रहेंगे
1 जनवरी	नए साल का दिन	आइजोल, शिलांग, चेन्नई और गंगटोक
2 जनवरी	रविवार	सभी जगह
3 जनवरी	न्यू ईयर्स सेलिब्रेशन/लोसूंग	आइजोल और गंगटोक
4 जनवरी	लोसूंग	गंगटोक
8 जनवरी	दूसरा शनिवार	सभी जगह
9 जनवरी	रविवार	सभी जगह
11 जनवरी	मिशनरी दिवस	आइजोल
12 जनवरी	स्वामी विवेकानंद जयंती	कोलकाता
14 जनवरी	मकर संक्रांति/पोंगल	हमदाबाद और चेन्नई
15 जनवरी	उत्तरायण पुण्यकाल मकर संक्रांति पर्व/माघे संक्रांति/ संक्रांति/पोंगल/थिरूवल्लूवर दिवस	बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और गंगटोक
16 जनवरी	रविवार	सभी जगह
18 जनवरी	थाईपुसम उत्सव	चेन्नई
22 जनवरी	चौथा शनिवार	सभी जगह
23 जनवरी	रविवार	सभी जगह
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस	देश के ज्यादातर राज्यों में बैंक बंद
30 जनवरी	रविवार	सभी जगह

जनवरी में 16 दिन नहीं होगा कामकाज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नया साल शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। साल के पहले महीने यानी जनवरी में बैंकों में 16 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 9 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनके अलावा 5 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। सिक्किम की राजधानी गंगटोक में बैंकों में साल की शुरूआत में लगातार 4 दिन कामकाज नहीं होगा। यहां 1 से 1 जनवरी तक बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में लोगों को यहां परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

- एरिया की मार्किंग की जिम्मेदारी ड्रोन ऑपरेटर की होगी।
- ड्रोन ऑपरेटर अप्रूव्ड इंसेक्टिसाइड का ही उपयोग कर सकेंगे।
- इंसेक्टिसाइड का इस्तेमाल अप्रूव्ड कंसंट्रेशन और हाइट पर होगा।
- कृषि अधिकारी को भी ये जानकारी लिखित में देनी होगी।
- ड्रोन ऑपरेशन से जुड़े लोगों के अलावा कोई और उस एरिया में नहीं जा सकेगा।
- ड्रोन उड़ाने के लिए ऑपरेटर की पायलट ट्रेनिंग होगी।

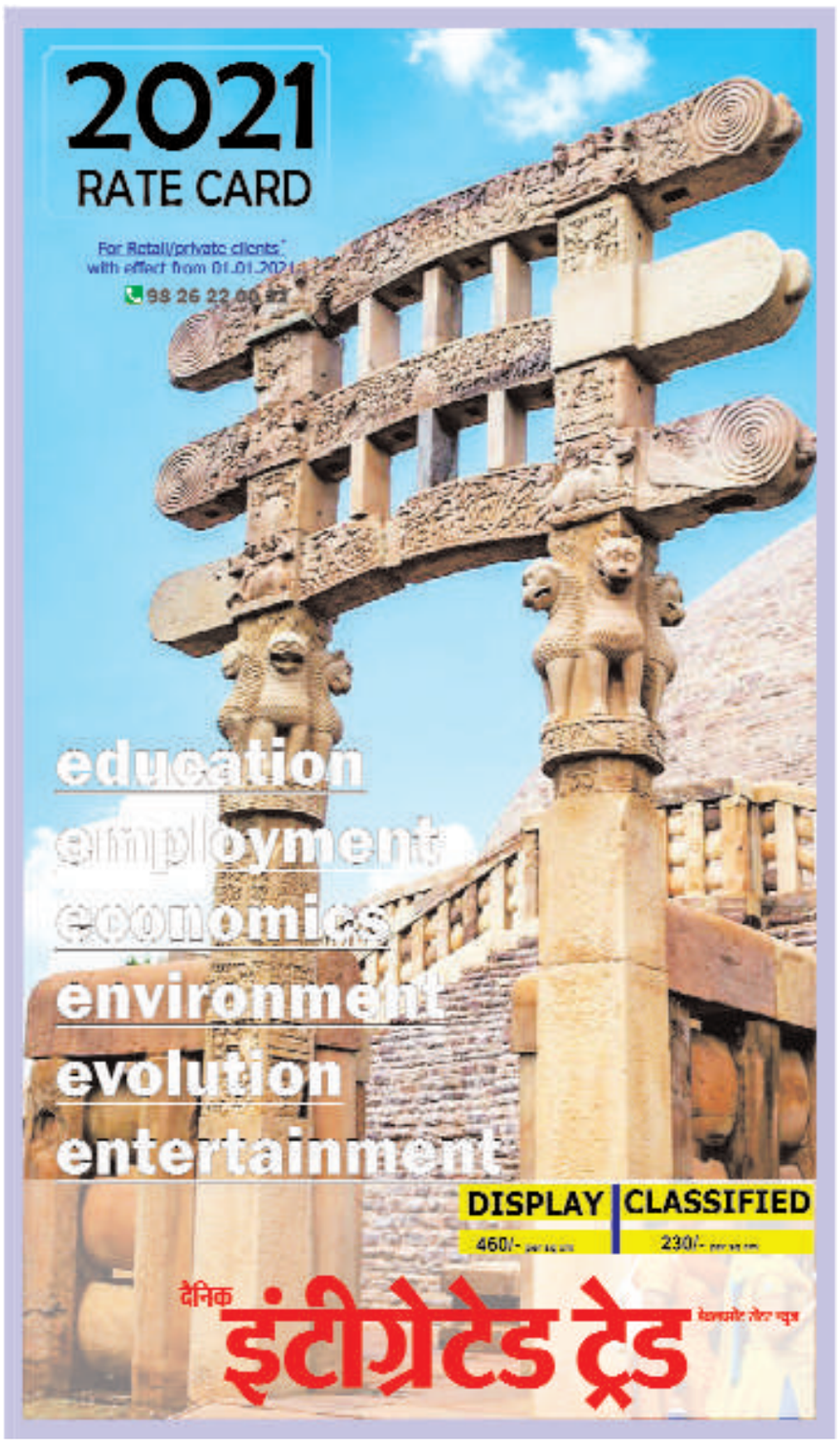

31 दिसंबर तक फाइल करना है आईटीआर

रिटर्न फाइल करने से आसानी से मिलता है लोन और खुद का बिजनेस शुरू करने में भी मिलती है मदद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल 2020-2021 के लिए आपको 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न (इ्नक्र) फाइल करना है। आईटीआर फाइल करने के कई फायदे होते हैं। इससे लोन मिलने में आसानी रहती है। इसके अलावा अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं और आईटीआर फाइल नहीं करते हैं तो आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सीए अभय शर्मा आपको आईटीआर फाइल करने के फायदे, फाइल न करने के नुकसान, आईटीआर किसे फाइल करना चाहिए और इसे कैसे फाइल करना है ये बता रहे हैं।

इन 4 लोगों के लिए आईटीआर फाइल करना जरूरी

वैसे तो जिनका भी पैन नंबर आ गया है उन्हें इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना चाहिए। लेकिन प्रोविजन के मुताबिक 4 तरह के लोगों के लिए आईटीआर फाइल करना जरूरी होता है।

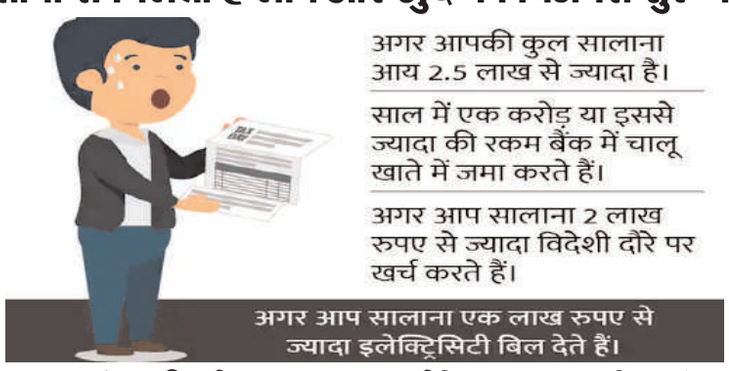

- अगर आपकी कुल सालाना आय 2.5 लाख से ज्यादा है।
- साल में एक करोड़ या इससे ज्यादा की रकम बैंक में चालू खाते में जमा करते हैं।
- अगर आप सालाना 2 लाख रुपए से ज्यादा विदेशी दौरे पर खर्च करते हैं।
- अगर आप सालाना एक लाख रुपए से ज्यादा इलेक्ट्रिसिटी बिल देते हैं।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के मिलते हैं दो ऑप्शन

आईटीआर फाइल करने के 2 ऑप्शन मिलते हैं। 1 अप्रैल, 2020 को नया ऑप्शन दिया गया था। नए टैक्स स्लैब में 5 लाख रुपए से ज्यादा आय पर टैक्स की दरें तो कम रखी गईं, लेकिन डिडक्शन छीन लिए गए। वहीं अगर आप पुराना टैक्स स्लैब चुनते हैं तो आप कई तरह के टैक्स डिडक्शन का फायदा ले सकते हैं।

आईटीआर फाइल नहीं करने पर लगेगा जुर्माना

अगर आपकी कुल आय 2.5 लाख से ज्यादा है और आप 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करते हैं तो आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। समय रहते आईटीआर फाइल न करने से न केवल पेनल्टी देनी पड़ सकती है। समय पर आईटीआर फाइल नहीं करने के और भी कई नुकसान हैं...

देना पड़ सकता है जुर्माना: निर्धारित तारीख तकआईटीआर दाखिल नहीं करने पर आपको 5 हजार रुपए तक का भारी जुर्माना चुकाना पड़ सकता है।

नोटिस आने का डर नहीं रहेगा: समय पर आईटीआर दाखिल नहीं करने पर आयकर विभाग से आपको नोटिस मिल सकता है।

ब्याज की बचत: यदि किसी करदाता ने एडवांस टैक्स नहीं चुकाया है या अपनी देनदारी के 90 फीसदी से कम चुकाया है तो उसे सेक्शन 234ए के तहत 1 फीसदी प्रति माह का ब्याज पेनल्टी के रूप में चुकाना होगा। अगर समय पर रिटर्न दाखिल करते हैं तो देय आयकर पर लगने वाले ब्याज की बचत कर सकते हैं।

नुकसान कैरी फॉरवर्ड: नुकसान को आगे के वित्त वर्षों के लिए कैरी फारवर्ड नहीं कर सकेंगे। यानी अगले वित्त वर्षों में आप अपनी कमाई पर टैक्स देनदारी कम नहीं कर सकेंगे।

क्रिसमस के दिन : साल के अंत में मिले जो उपहार

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक गरीब उद्योगपतियों की मदद करने में व्यस्त हैं। वर्ष 2020-21 में सिर्फ 13 उद्योगपतियों पर सरकारी बैंक का 4,86,800 करोड़ रुपये का कर्ज था। बैंकों ने 1,86,820 करोड़ रुपये लेकर वह पूरा कर्ज खत्म कर दिया। सरकारी बैंक देश के लोगों का कल्याण कर (जो कि मात्र 13 उद्योगपति ही थे) खुश हैं। भले ही उनके कल्याण के लिए बैंकों को 2,84, 980 करोड़ रुपये का घाटा उठाना पड़ा हो। क्रिसमस के दिन यह माना जाता है कि सांता क्लॉज उपहार लेकर घर-घर घूमते हैं। हो सकता है कि वह बहुतों को निराश करते हों। इसके बावजूद लोगों का उन पर विश्वास बना हुआ है। मैं एक ऐसे आदमी के बारे में बता रहा हूं, जो शर्तिया सांता क्लॉज की तरह नहीं लगते। लेकिन कोई यह भी नहीं जानता कि वह कौन हैं। इस व्यक्ति ने साल भर पूरे देश का भ्रमण किया है। वह एक अवांछित व्यक्ति थे, जिसका किसी को इंतजार नहीं था। उसने जगह-जगह जाकर जो चीजें बांटीं, उनकी भी जरूरत नहीं थी। साल के अंत में उसके द्वारा बांटे गए उन चीजों की गिनती कीजिए = किसानों के लिए = उद्योगपतियों को जमीन लीज पर देने की आजादी, उद्योगपतियों से कर्ज लेने की आजादी, उद्योगपतियों को कहीं भी अपना उत्पाद बेचने की आजादी और भूमिहीन कृषि मजदूर बनने की आजादी। यह अलग बात है कि किसानों ने ये प्रस्ताव खारिज कर दिए।

उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए = थोक मुद्रास्फीति 14.23 फीसदी पर। इसका मतलब यह कि लगभग सारी चीजें महंगी हैं। अगर वस्तुओं और सेवाओं की कीमत गिरती है, तो खुद को भाग्यशाली मानें, क्योंकि पांच दूसरी चीजों की कीमत बढ़ गई है। इसी कारण थोक मुद्रास्फीति 12 साल में सबसे अधिक है।

युवा स्त्री-पुरुष के लिए = बेरोजगारी दर 7.48 प्रतिशत। उसमें भी शहरी बेरोजगारी दर 9.09 फीसदी (सीएमआईई)।

परास्तनाकों और पीएच.डी. डिग्री वालों के लिए = केंद्रीय विश्वविद्यालयों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में प्राध्यापकों के 10,000 से अधिक पद खाली हैं। इन तमाम शीर्ष संस्थानों का लक्ष्य सिर्फ अध्यापन है। और प्राध्यापकों के इतने पद खाली होते हुए भी वे पढ़ाने का काम बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं। यह तकदीर की बात है कि उन्होंने बगैर प्राध्यापकों के अध्यापन के तरीके की खोज कर ली है।

नया आरक्षण: अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी के लिए = प्राध्यापकों के 10,000 से अधिक पद खाली हैं। इनमें से 4,126 पद अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षित हैं। डरिए मत, आरक्षण जारी है।

उनके फायदे के लिए आरक्षण नीति में थोड़ा बदलाव किया है = अब पदों में नहीं, रिक्तियों में आरक्षण है। सरकार और ज्यादा रिक्तियां सृजित करेगी और उनमें अनुसूचित जाति, जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान रखेगी। आरक्षण नीति का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। उम्मीदवार अपने बायोडाटा में यह लिख सकते/सकती हैं कि इस समय उन्हें रिक्तियों में रोजगार मिला हुआ है।

जो मासिक किस्त चुकाते हैं = ईएमआई (मासिक किस्त) पर ऊंचा ब्याज। वर्ष 2020-21 में बैंकों ने 2,02,783 करोड़ रुपये का बैड लोन माफ कर दिया है। लिहाजा कर्जदाताओं को बैंकों का शुक्रगुजार होना चाहिए कि वे उन्हें कर्ज दे रहे हैं।

गरीबों के लिए = एक कतार। कृपया अपनी बारी का इंतजार कीजिए (जो शायद कभी न आए)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक गरीब उद्योगपतियों की मदद करने में व्यस्त हैं। वर्ष 2020-21 में सिर्फ 13 उद्योगपतियों पर सरकारी बैंक का 4,86,800 करोड़ रुपये का कर्ज था। बैंकों ने 1,86,820 करोड़ रुपये लेकर वह पूरा कर्ज खत्म कर दिया। सरकारी बैंक देश के लोगों का कल्याण कर (जो कि मात्र 13 उद्योगपति ही थे) खुश हैं। भले ही उनके कल्याण के लिए बैंकों को 2,84, 980 करोड़ रुपये का घाटा उठाना पड़ा हो। अगर आप दिवालिया उद्योगपति हैं, तो सरकारी बैंक आपकी मदद करने के लिए तैयार हैं।

अर्थशास्त्रियों और अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए = सरकार ने अर्थव्यवस्था में वी आकार के सुधार का दावा किया है। उसने मुख्य आर्थिक सलाहकार के जरिये ऐसा दावा किया, जो कि अब सरकार से अलग हो चुके हैं। डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमणियम ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से प्राप्त ज्ञान का सरकार के कामकाज में उपयोग किया, अब उन्होंने सरकार से जो अज्ञान हासिल किया है, उसे वह इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस को देंगे। दिलचस्प यह है कि आईएमएफ की डेप्युटी मैनेजिंग डायरेक्टर बनने जा रहीं डॉ. गीता गोपीनाथ पिछले सप्ताह दिल्ली में थीं।

संपादकीय

मुकाम - अमेरिका-रूस की तनातनी और भारत

केएस तोमर

विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक, 2021 में रूस की विकास दर बढ़कर 4.3 फीसदी हो सकती है, लेकिन अगले दो साल में यह दर घटकर क्रमश: 2.8 फीसदी और 1.8 प्रतिशत रह सकती है। विश्व बैंक का आकलन है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में निरंतर सुधार, कच्चे तेल की तुलनात्मक रूप से ऊंची कीमत और कोविड-19 के मोर्चे पर सुधार से रूस में घरेलू मांग में वृद्धि होगी। वह 26 दिसंबर, 1991 का दिन था, जब सोवियत गणराज्य अपने छोटे, लेकिन घटनाबहुल अस्तित्व के बारे में सोचते हुए, जिसमें उपलब्धियां भी थीं और विफलताएं भी, टूट गया। हर क्षेत्र में गिरावट के लंबे सिलसिले को देखते हुए सोवियत रूस का टूटना अवश्यंभावी था। सोवियत गणराज्य के ध्वंसावशेष से निकले पुतिन के रूस ने अगर उनकी कार्ययोजना पर गंभीरता से अमल किया होता, जो उन्होंने अपने नागरिकों को भीषण आर्थिक संकट से निकालने के लिए तैयार की थी, तो आज रूस की उपलब्धियां सचमुच आसमान छू रही होतीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज की वास्तविकता यह है कि सोवियत गणराज्य के पतन के 30 साल बाद उसकी बदलती जनसांख्यिकी मास्को को डरा रही है, क्योंकि वर्ष 1991 के बाद पैदा हुई एक पीढ़ी बेहतर जीवन स्तर की मांग कर रही है।

दरअसल वर्ष 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया को मिला लेने पर अमेरिका ने मास्को पर प्रतिबंध लगाए थे। और अगर अब रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तब उस पर अमेरिका के अलावा यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों का भी खतरा है, हालांकि इस मामले में वे एकतरफा प्रतिबंध लगाने के बजाय कूटनीतिक पहल के जरिये मसले का हल निकालना चाहेंगे। सोवियत गणराज्य के पतन के बाद अमेरिका ने रूस पर अपनी मनमानी थोपने की कोशिश की, क्योंकि रूस कमजोर था और ज्यादातर यूरोपीय देश अमेरिका के पाले में खड़े थे। लेकिन आज रूस न सिर्फ अपनी कमजोरियों से उबर गया है, बल्कि नए शक्ति केंद्र के रूप में उभर चुका है और चीन की मदद से, जो नए वैश्विक समीकरण में अमेरिका का घोषित शत्रु है, उस महाशक्ति देश को चुनौती दे रहा है। बड़े देशों के इस आपसी द्वंद्व में भारत मुश्किल स्थिति में फंस गया है, क्योंकि अमेरिका की ओर उसके झुकाव ने रूस को नाराज कर दिया है, जो अमेरिका को कमजोर करने के लिए चीन के साथ खड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जरूरी समय में पुराने दोस्त रूस पर भरोसा कर भारत ने सही फैसला किया है। देश हित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका से पांच अरब डॉलर का मिसाइल सौदा करने के बजाय पुतिन की हालिया भारत यात्रा के दौरान उनसे लगभग एक दर्जन समझौते किए। इसका नतीजा भी देखने को मिला, जब भारत के तालिबान-विरोध के मुद्दे पर रूस हमारे साथ खड़ा रहा, जबकि बाइडन प्रशासन ने पाकिस्तान का पक्ष लिया और तालिबान के साथ दोहा बैठक में भारत को अलग-थलग कर दिया।

हालांकि रूस की अंदरूनी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। चूंकि रूसी नागरिक बेहतर जीवन स्तर, बढ़ी हुई आय और सुखद भविष्य की मांग कर रहे हैं, ऐसे में, पुतिन और वहां का समृद्ध वर्ग पसोपेश में है, क्योंकि आम जनता की उम्मीदें पूरी न हुईं, तो पुतिन का सत्ता में बने रहना मुश्किल हो सकता है। अपनी सत्ता के विरुद्ध भीतरी और बाहरी, वास्तविक और काल्पनिक खतरों से पुतिन इतने सशंकित हैं कि उन्होंने नागरिकों की आजादी पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। पिछले दो दशक में रूस में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि जो युवा पीढ़ी पुतिन के सत्ता काल में बड़ी हुई है, उसे खुले विमर्श का अर्थ मालूम नहीं है, और न ही वह जानती है कि लोकतंत्र का मतलब क्या है। कोविड-19 महामारी ने भी रूसी अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त नुकसान पहुंचाया है। हालांकि महामारी के दौरान रूस का प्रदर्शन कुछ विकसित देशों की तुलना में अच्छा ही रहा है। इसके बावजूद व्यापक संक्रमण और कम टीकाकरण के कारण वहां गंभीर संकट पैदा हुआ है, जो समाज में पुतिन-विरोधी जनमत पैदा कर सकता है। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए पुतिन को असाधारण काम करना होगा। तब तो और भी, जब विश्व बैंक ने रेखांकित किया है कि वर्ष 2020 में रूस की विकास दर में तीन फीसदी कमी आई है, जबकि उस साल वैश्विक स्तर पर विकास दर में औसतन 3.8 फीसदी की और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक, 2021 में रूस की विकास दर बढ़कर 4.3 फीसदी हो सकती है, लेकिन अगले दो साल में यह दर घटकर क्रमश: 2.8 फीसदी और 1.8 प्रतिशत रह सकती है। विश्व बैंक का आकलन है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में निरंतर सुधार, कच्चे तेल की तुलनात्मक रूप से ऊंची कीमत और कोविड-19 के मोर्चे पर सुधार से रूस में घरेलू मांग में वृद्धि होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2024 में होने वाले चुनाव में पुतिन अगर आत्मविश्वास के साथ अपनी दावेदारी पेश करते हैं, तभी बात बनेगी, अन्यथा आने वाले वर्षों में वहां बदलाव होते रहेंगे। अगर पुतिन के पक्ष में स्थिति बनी रही, तो उनकी उम्र और विपक्षी नेता नवलनी के जेल में होने के कारण वर्ष 2036 तक वह सत्ता में बने रह सकते हैं। रूस तेल और गैस का निर्यातक होने के कारण यूरोप और एशिया में एक प्रभावशाली ताकत है।

नागरिक अधिकार : भीड़ की हिंसा पर चुप्पी

पंजाब और अन्य जगहों पर हत्याओं की निंदा करने में राजनीतिक समुदाय की विफलता बेहद परेशान करने वाली है और भीड़ की हिंसा व कानून हाथ में लेने की घटना व्यापक सवाल खड़े करती है। भारत गहरे तौर पर एक धार्मिक और विविधतापूर्ण देश है। यहां एक समूह जिसे पवित्र मानता है, जरूरी नहीं कि दूसरा समूह भी उसे उसी नजर से देखे। यदि हम साथ-साथ जीना, फलना-फूलना और प्रगति करना चाहते हैं, तो यह परस्पर सम्मान के सिद्धांत से ही संभव हो सकता है। लेकिन हिंसा की भाषा तेजी से सामाजिक वैधता प्राप्त कर रही है, जहां लोग आपराधिक न्याय प्रणाली के कामकाज से नाखुश हैं और अन्य कारणों से बंदूक या लाठी हाथ में उठाने और तत्काल न्याय करने का फैसला करते हैं। अक्सर इसका मतलब किसी की जान लेना होता है। देश भर में, कई कारणों से गुस्साई भीड़ द्वारा कानून को हाथ में लेने के अनगिनत उदाहरण हैं- कभी एक पवित्र पुस्तक, एक पवित्र जानवर, और कुछ अन्य कारणों से।

पत्रलेखा चटर्जी

पंजाब और अन्य जगहों पर हत्याओं की निंदा करने में राजनीतिक समुदाय की विफलता बेहद परेशान करने वाली है और भीड़ की हिंसा व कानून हाथ में लेने की घटना व्यापक सवाल खड़े करती है। भारत गहरे तौर पर एक धार्मिक और विविधतापूर्ण देश है। यहां एक समूह जिसे पवित्र मानता है, जरूरी नहीं कि दूसरा समूह भी उसे उसी नजर से देखे। जब मैं यह कॉलम लिखने बैठी, तो मेरे कानों में अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन के नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर की यह पंक्ति गूंज रही थी कि हिंसा इस ब्रह्मांड में बुराइयां और हिंसा को बढ़ाती है। यह किसी भी समस्या का समाधान नहीं करती।% महामारी बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था का बुरा हाल है। लाखों भारतीय अपने प्रियजनों को खोने के बाद उनकी स्मृतियों से निपटने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन साल के अंत में हम एक परेशान करने वाले सवाल से भी जूझ रहे हैं कि क्या एक इंसान को दूसरा इंसान सिर्फ इसलिए मार सकता है कि उस व्यक्ति ने उसे गहरे तौर पर आहत किया है?

हाल के दिनों में सीमावर्ती राज्य पंजाब में, जहां विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, बेअदबी की घटनाओं के आरोपियों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से की गई किसी भी बेअदबी की घटना की निंदा की जानी चाहिए और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। लेकिन आरोपी व्यक्ति की निर्मम हत्या देश के कानून की अवहेलना है। किसी भी मामले में किसी को भी आरोपी व्यक्ति को शारीरिक दंड देने का अधिकार नहीं है। संदिग्ध आरोपियों को जांच और उचित कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप देना चाहिए था। व्यक्ति की हत्या करके सबूत नष्ट नहीं किए जाने चाहिए थे। राजनीतिक और धार्मिक नेताओं ने बेअदबी की कड़ी निंदा की है, लेकिन लिंचिंग की घटना के बारे में कुछ नहीं कहा है।

पंजाब और अन्य जगहों पर हत्याओं की निंदा करने में राजनीतिक समुदाय की विफलता बेहद परेशान करने वाली है और भीड़ की हिंसा व कानून हाथ में लेने की घटना व्यापक सवाल खड़े करती है। भारत गहरे तौर पर एक धार्मिक और विविधतापूर्ण देश है। यहां एक समूह जिसे पवित्र मानता है, जरूरी नहीं कि दूसरा समूह भी उसे उसी नजर से देखे। यदि हम साथ-साथ जीना, फलना-फूलना और प्रगति करना चाहते हैं, तो यह परस्पर सम्मान के सिद्धांत से ही संभव हो सकता है। लेकिन हिंसा की भाषा तेजी से सामाजिक वैधता प्राप्त कर रही है, जहां लोग आपराधिक न्याय प्रणाली के कामकाज से नाखुश हैं और अन्य कारणों से बंदूक या लाठी हाथ में उठाने और तत्काल न्याय करने का फैसला करते हैं। अक्सर इसका मतलब किसी की जान लेना होता है। देश भर में, कई कारणों से गुस्साई भीड़ द्वारा कानून को हाथ में लेने के अनगिनत उदाहरण हैं- कभी एक पवित्र पुस्तक, एक पवित्र जानवर, और कुछ अन्य कारणों से।

मूल बात यह है कि हत्या, हत्या है और इसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है। और जैसे-जैसे सहिष्णुता घटती जा रही है, यह पूछना महत्वपूर्ण है कि क्या इन चिंताजनक प्रवृत्तियों को उलटा जा सकता है। हम हरिद्वार की धर्म-संसद या दिल्ली में दिए गए नफरती बयान की उपेक्षा नहीं कर सकते। इस तरह प्रतिस्पर्धी हिंसा को भड़काने वाले बयान हमें नष्ट कर देंगे। आखिर इस भीड़ की हिंसा को कैसे रोकें? इसका सीधा-सा उत्तर है कि इसे सामान्य न मानें। अभी-अभी झारखंड विधानसभा ने मॉब वायलेंस ऐंड मॉब लिंचिंग बिल, 2021 पारित किया है, जिसका उद्देश्य राज्य में सांविधानिक अधिकारों की %प्रभावी सुरक्षा% प्रदान करना और भीड़ की हिंसा को रोकना है। उम्मीद है कि दूसरे राज्य भी ऐसा कानून पारित करेंगे और उसे लागू करेंगे। हमें सामूहिक रूप से कहना होगा कि किसी को चोट पहुंचाना भी गैर-कानूनी है, हत्या करना तो दूर की बात। चाहे कुछ भी हो जाए, भीड़ कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकती। राजनीतिक नेतृत्व के साथ न्याय तंत्र को भी कड़े संदेश देने होंगे कि गैरकानूनी कृत्यों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साहिर लुधियानवी ने ठीक ही कहा है, आज अगर खामोश रहे, तो कल सन्नाटा छाएगा। हिंसा से हिंसा पैदा होती है और हिंसा में डूबे देश का कोई भविष्य नहीं होता। हमें हिंसा के इस चक्रव्यूह में फंसकर अपना और अपने बच्चों का भविष्य खराब नहीं करना है। वर्ष के अंत में, बस यही मेरी आशा और प्रार्थना है।

बंदरों का हमला और कुत्ते: 250 पिल्लों का 'खून' बंदरों का प्रतिशोध नहीं है

बंदरों के इस तरह से प्रतिशोध की बात चिंता में डालने वाली थी। जंगली जानवरों के प्राकृतिक आवास खत्म होते जा रहे हैं। इस वजह से रिहाइश को लेकर मनुष्य से उनका संघर्ष बढ़ा है। जिस तरह से कुत्ते पालतू हो गए हैं, उसी तरह से बंदर भी आबादी के बीच रह कर काफी कुछ सीख गए हैं। जंगल में रहने वाला बंदर टिफिन नहीं खोल पाता है, लेकिन इनसानों के बीच रहने वाला बंदर टिफिन खोल लेता है। वह पाइप की टोंटी से पानी पीने के बाद उसे बंद भी कर लेता है। पिछले दिनों एक खबर ने दुनिया भर का ध्यान खींचा। खास तौर से प्रकृति और पशुओं से जुड़ाव रखने वाले लोग इस खबर से ज्यादा हैरान हुए। खबर थी महाराष्ट्र में मराठवाड़ा के मजलगांव तहसील के लावुल गांव से। मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार दावा किया जा रहा था कि इस गांव में बंदर कुत्तों से प्रतिशोध ले रहे हैं। उन्होंने अब तक 250 कुत्ते के पिल्लों को मार दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह तादाद 80 तक बताई जा रही थी। संख्या अतिश्योक्तिपूर्ण हो सकती है, लेकिन अहम बात है बंदरों का कुत्तों से प्रतिशोध लेना! यही वह एक बात थी जिसकी वजह से इस खबर से वाकिफ सभी लोग अचंभित थे। खास तौर से पशु विशेषज्ञों के लिए यह बात ज्यादा हैरान करने वाली थी। अब तक हम सभी ने कुत्ते और बंदर की छेड़छाड़ और दोस्ती की खबरें ही पढ़ी सुनी थीं। प्रतिशोध की बात पहली बार सामने आई। खबर के मुताबिक लावुल गांव में दो बंदर कुत्ते के पिल्लों को उठा ले जा रहे थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि बंदर उन पिल्लों को ऊंचाई पर ले जाकर नीचे फेंक दे रहे थे। कुछ खबरों के मुताबिक यह पिल्ले भूख और प्यास से जब मर जाते थे तो बंदर इन्हें नीचे फेंक देते थे। दोनों बंदरों को जाल लगा कर वन विभाग ने पकड़ लिया। इसके लिए भी पिल्लों को चारे के लिए इस्तेमाल किया गया और दोनों बंदर ट्रैप में फंस गए।

बंदरों के इस तरह से प्रतिशोध की बात चिंता में डालने वाली थी। जंगली जानवरों के प्राकृतिक आवास खत्म होते जा रहे हैं। इस वजह से रिहाइश को लेकर मनुष्य से उनका संघर्ष बढ़ा है। जिस तरह से कुत्ते पालतू हो गए हैं, उसी तरह से बंदर भी आबादी के बीच रह कर काफी कुछ सीख गए हैं। जंगल में रहने वाला बंदर टिफिन नहीं खोल पाता है, लेकिन इनसानों के बीच रहने वाला बंदर टिफिन खोल लेता है। वह पाइप की टोंटी से पानी पीने के बाद उसे बंद भी कर लेता है।

कुत्ते और बंदरों के बीच इस तरह का संघर्ष शहर और गांवों में आम बात है। उनमें यह संघर्ष भोजन और क्षेत्र को लेकर देखने को आमतौर पर मिलता है। जमीन पर उतरते ही कुत्ते बंदर का पीछा करने लगते हैं। कई बार बंदर उन्हें टीप मारने या छेड़ने का भी काम करते हैं, जिसकी वजह से कुत्ते खीझ कर उन पर हमला कर देते हैं। यह महज एक संघर्ष है, प्रतिशोध नहीं। लावुल गांव से एक कहानी यह भी सामने आई कि कुछ कुत्तों ने बंदर के एक बच्चे को मार डाला, इसलिए अब बंदर बदला ले रहे हैं। तो क्या यह माना जाना चाहिए कि बंदर कुत्तों से प्रतिशोध ले रहे हैं? या उनके बीच यह जीवन का संघर्ष है?

यही सवाल हमने एशिया के माने जाने शोध संस्थान भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली के प्रधान वैज्ञानिक और वन्य जीव केंद्र के प्रभारी डॉ. अजीत पावड़े से पूछा। उन्होंने कहा कि जानवरों में प्रतिशोध की भावना नहीं होती है, क्योंकि उनका दिमाग इतना विकसित नहीं होता। वह कुछ तकनीकी बातें इनसानों से सीख जरूर लेते हैं, लेकिन जटिल भावनाओं को वह कॉपी नहीं कर पाते हैं।

बंदर सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल खोलना, दरवाजे की कुंजी खोलना या फिर फ्रिज खोलकर सामान निकालना सीख जाते हैं। इसे उनके विकास के तौर पर नहीं बल्कि एक प्रैक्टिस के तौर पर देखना चाहिए। वह सिर्फ हमारी आदतों को कॉपी कर रहे होते हैं, जिसे वह देखते हैं।

एक बार वह फौज के एक घोड़े का इलाज करने के लिए गए। जब वह घोड़े के पास गए तो वह प्यार से उनका हाथ चाटने लगा। उन्होंने इलाज के तौर पर उस घोड़े को एक इंजेक्शन लगाया। इसके बाद वह जब भी घोड़े के इलाज के लिए जाते, वह घोड़ा उन्हें देखते ही गुस्से से अपने बाड़े की बल्ली पर दोलत्ती मारने लगत। जानवर अपने खिलाफ होने वाले व्यवहार को कई बार पूरी जिंदगी याद रखते हैं। जब स्निफर कुत्ते के पिल्ले को ट्रेनिंग दी जाती है, तो वह किसी का दिया हुआ कुछ भी न खाएं, इसके लिए उन्हें बचपन में ही एक बड़ा सबक दे दिया जाता है। सड़क पर जाते किसी अनजान व्यक्ति को बुलाया जाता है। इसके बाद उसे पिल्ले की पसंद की कोई चीज देकर कहा जाता है कि जब पिल्ला इसे खाने के लिए अपना मुंह आगे बढ़ाए तो वह उसके मुंह पर भरपूर झापड़ रसीद करे।

तुम क़रिदार बनोगी क्या...

मेरे इस प्रेम - कहानी की
तुम क़रिदार बनोगी क्या ..... !!
मै साहिल बन जाता हूँ
तुम मझधार बनोगी क्या ..... !!
मेरे इन ख़ामोश लबों की
तुम अल्फाज़ बनोगी क्या .....
!!

मै पतझड़ बन जाता हूँ
तुम बसंती बयार बनोगी क्या ....
!!

मेरे इस सुने जीवन की
तुम संगती बनोगी क्या .....
!!

मै वीणा बन जाता हूँ
तुम राग बनोगी क्या ..... !!

मेरे गुमनाम इस जीवन की
तुम पहचान बनोगी क्या ..... !!

मै नायक बन जाता हूँ
तुम नायिका बनोगी क्या ..... !!

मेरे इस प्रेम - ग्रन्थ की
तुम इतहास बनोगी क्या ..... !!

मै कृष्ण बन जाता हूँ
तुम राधिका बनोगी क्या ..... !!

मेरे इन सपनों की
तुम आग़ाज बनोगी क्या ..... !!

मै सुबह बन जाता हूँ
तुम रात बनोगी क्या ..... !!

मेरे इस लिखें ग़ज़ल की
तुम अरमान बनोगी क्या ..... !!

मै शीश बन जाता हूँ
तुम धूल बनोगी क्या ..... !!

मेरे इस कठिन ड़गर की
तुम जीत बनोगी क्या ..... !!

मै मीत तेरा बन जाता हूँ
तुम मेरी प्रीत बनोगी क्या .....
!!

मेरे इस प्रेम - कहानी की
तुम श्रृंगार बनोगी क्या .....
!!

मै कांटे बन जाता हूँ
तुम फुल बनोगी क्या ..... !!

गेट एक राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग एंट्रेंस परीक्षा है कई छात्र इस परीक्षा में भाग लेते हैं। चूंकि कम्पटीशन लेवल काफी हाई है इसलिए उम्मीदवारों को पता होना चाहिए कि गेट 2022 की तैयारी कैसे करें।

आसान टिप्स से करें गेट की तैयारी
एक बार में क्रैक होगा एग्जाम

GATE को ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग कहा जाता है। ये एक राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग एंट्रेंस परीक्षा है और कई छात्र M.Tech एडमिशन या PSU भर्तियों में शामिल होने के लिए इस परीक्षा में भाग लेते हैं। चूंकि कम्पटीशन लेवल काफी हाई है इसलिए उम्मीदवारों को पता होना चाहिए कि GATE 2022 की तैयारी कैसे करें। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी खड़गपुर ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (GATE 2022 का एग्जाम शेड्यूल जारी कर दिया है। यह परीक्षा 5 से 13 फरवरी, 2022 तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में अब करीब 6 सप्ताह का समय बचा है, इसलिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने का समय आ गया है।

ये हैं तैयारी के लिए टिप्स

इस तरह पूरा करें अपना सिलेबस
अब इस परीक्षा में बहुत कम समय बचा है, इसलिए अपने टाइम टेबल को एक बार फिर से रिशेड्यूल करें। अब इसमें ऐसे विषय पहले रखें जो सरल और जरूरी हैं। इसकी शुरुआत आप गणित और एक बेसिक टेक्निकल सब्जेक्ट से कर सकते हैं। टॉपिक पढ़ते समय साथ में ही रिवीजन के लिए नोट्स बनाते जाएं। इसमें मुख्य परिभाषा, फार्मूला आदि लिखते जाएं। सभी टॉपिक पढ़ने के बाद उसके अनुसार ही पिछले सालों के गेट के पेपर सोल्व करें।

सभी विषयों को बराबर समय दें

परीक्षा तैयारी के दौरान एक ही विषय पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सभी विषयों के बीच अपने समय को समान रूप से विभाजित करके तैयारी करें। सभी विषयों को एक व्यवस्थित तरीके से तैयार करें तो बेहतर रहेगा। इसके लिए एक समय सीमा तय करें और उस समय से पहले अपने सभी विषयों को समाप्त करने का प्रयास करें।

रिवीजन नोट्स जरूर बनाएं

अपने सिलेबस को पढ़ते समय रिवीजन नोट्स जरूर बनाएं। अंतिम समय में परीक्षा तैयारी के दौरान यही नोट्स आपका सबसे ज्यादा साथ देंगे। इन रिवीजन नोट्स को हफ्ते में एक बार पढ़ें, इससे आपके तैयार सब्जेक्ट के कांसेप्ट भी आपको याद आते जायेंगें। अंतिम समय में इन नोट्स के माध्यम से जैसे-जैसे किसी टॉपिक या विषय को आप रिवाइज करते जाएंगे, वैसे वैसे आपको रिवीजन में कम समय लगेगा और कॉन्सेप्ट क्लियर हो जाएंगे।

रिवीजन जरूर करें

गेट परीक्षा की तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर्स में से एक है रिवीजन। आपको विभिन्न टॉपिक्स और चैप्टर्स को रिवाइज करने के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए ताकि सब कुछ माइंड में फ्रेश रहे। अपने डेली स्टडी शेड्यूल में से कुछ घंटे रिवीजन के लिए दें, क्योंकि इससे आपको टॉपिक्स को और अच्छी तरह समझने में मदद मिलेगी। इससे आपको यह भी पता चलेगा कि आपने जिन सब्जेक्ट्स और चैप्टर की स्टडी की उनमें से कितने आपको अच्छी तरह से याद हैं। इसलिए रिवीजन बार-बार करनी चाहिए।

मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र सॉल्व करें

गेट परीक्षा के एक्चुअल एग्जामिनेशन को जानने व समझने के लिए कैंडिडेट्स को ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर्स व प्रैक्टिस पेपर्स को अटेम्प्ट करना चाहिए। उम्मीदवार ध्यान दें कि, सभी टॉपिक पढ़ने के बाद टॉपिक के अनुसार पिछले सालों के गेट के पेपर सॉल्व करें। हर टॉपिक और विषय के अनुसार क्विज और टेस्ट दें। यह उम्मीदवारों को उनकी परफॉर्मेंस को एनालाइज करने और उनके कमजोर क्षेत्रों में सुधार करने में मदद करते हैं।

आखिरी चरण में रिवीजन

यह प्लान अंतिम सप्ताह का है। इस समय आपको रिवीजन और प्रैक्टिस दोनों को समय देना होगा। ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस टेस्ट दें। हर टेस्ट के बाद देखें कौन से टॉपिक में आप कमजोर है, उसके बाद उसका रिवीजन अच्छे से करें। इस समय आपको रोजाना 2-5 प्रैक्टिस टेस्ट देने होंगें, साथ ही प्रैक्टिस के दौरान सारे कांसेप्ट याद रखें। इस चरण में आपका आत्मविश्वास दिन पे दिन बढ़ता जायेगा। अंतिम समय में न पढ़े नया टॉपिक उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि अंतिम समय में किसी भी नए टॉपिक को बिल्कुल भी न पढ़े। इस दौरान आप अपने नोट्स के माध्यम से सिर्फ रिवीजन करें। अच्छा खाना खाएं और पूरी नींद लें। किसी भी तरह का मानसिक दबाव बिल्कुल न लें।

कला को संरक्षित करने का काम है आर्ट रेस्टोरर

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे।

मिल सकती है सरकारी नौकरी

इस कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिल सकती है। देश के सभी म्युजियम्स में इस कोर्स को करने वालों के लिए नौकरी है। इसके साथ ही आप पार्टटाइम काम भी कर सकते हैं। यदि आपको सरकारी नौकरी न मिले, तब भी आप अच्छी आमदनी हासिल कर सकते हैं। लेकिन उसके लिए जरूरी है कि आप उन शहरों में रहें, जहां पर कला के पारखी रहते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में आर्ट कंजरवेटरों की खूब मांग है। नौकरी मिलने पर आपको 8-9 घंटे की शिफ्ट में काम करना पड़ता है। इसमें आसानी से हर माह 25 हजार से दो लाख रुपये कमाया जा सकते हैं। परिपक्वता हासिल करने के बाद इसमें असीमित कमाई का मौका भी है। इसके साथ ही प्राइवेट गैलरी और म्युजियम में भी नौकरी की अपार संभावनाएं हैं। विदेशों में भी आर्ट कंजरवेटरों की खूब मांग है। आर्ट कंजरवेटर बनने के जहां कई फायदे हैं तो कुछ नुकसान भी हैं। कई बार किसी प्रोजक्ट के लिए महीनों बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में अगर नौकरी नहीं कर रहे हैं तो एक शहर से दूसरे शहर के चक्कर लगाने के लिए मानसिक रूप से अपने आप को तैयार करना पड़ेगा। वहीं इसे सकारात्मक रूप में देखें तो इसके जरिए अलग-अलग शहर देखने का मौका मिलता है। इस काम में विदेश में भी जाकर काम करने का मौका मिलता है।

दिन बदलते हैं, सदियां गुजरती हैं, लोग चले जाते हैं, पर तब भी कई चीजें ऐसी होती हैं, जो पुरानी यादों और पुराने लोगों की याद ताजा कराती रहती हैं। ऐसे में आर्ट कंजरवेशन बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। इसके तहत एक आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित कर देता है, जैसी वे सदियों पूर्व हुआ करती थीं। उदाहरण के लिए आपके घर में कोई पेंटिंग है, जो 100 साल या फिर 50 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। उसे देख कर ऐसा लगता है कि अब उसका कोई उपयोग नहीं रह गया। पर वह पेंटिंग आपके दिल के करीब है तो ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन- उसी रूप में ला सकते हैं, जैसे कि वह वर्षों पहले हुआ करती थी। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे। कुछ प्राइवेट संस्थानों ने भी यह कोर्स शुरू किया है, पर नेशनल म्युजियम के आगे वे कहीं भी नहीं टिकते। इस कोर्स के दौरान आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यू स्क्रिप्ट आदि के बारे में ऐसी जानकारी दी जाएगी कि आप इन विषयों के डॉक्टर बन जाएंगे। यह कला से जुड़ा काम है, इसलिए मेहनत इसकी पूंजी है। लकड़ी के फ्रेम तैयार करना या फिर किसी मॉन्यूमेंट की दीवारों पर बांस की बल्ली के सहारे जाकर काम करना, ये सब इसमें शामिल है।

इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्युजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाएगा। शुरू में आपको अनुभव के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ेगा। अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट स्टूडियो शुरू करने के साथ-साथ विदेशों में भी काम कर सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों की लाइब्रेरी भी आपको मौका दे सकती है। हां अब कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर कर्मचारी भी नियुक्त कर रही हैं। आर्ट रेस्टोरर बन कर आप लाखों रुपये महीने तक कमा सकते हैं। कला के शौकीनों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले आर्ट कंजरवेटरों की कमी होने के कारण बहुत से लोग इनसे समय लेकर इंतजार करते हैं।

कम्प्यूटर की किसी भी भाषा को सीखने के लिए उसके बुनियादी निर्देश से अवगत होना अति आवश्यक है। सबसे पहले आपको कम्प्यूटर के बेसिक एप्लीकेशन का भरपूर ज्ञान होना आवश्यक है, जैसे एमएस ऑफिस, इंटरनेट, ई-मेल, कम्प्यूटर से जुड़े सिद्धांत इत्यादि। इसके बाद इनपुट-आउटपुट यूनिट, डिवाइस, उनका प्रयोग करना प्रदर्शन डेटा का ज्ञान, अंकगणतीय ज्ञान व प्रदर्शन, सशर्त निष्पादन, पुनरावृत्ति इत्यादि से अवगत होना भी आवश्यक है। कम्प्यूटर की ये भाषाएं प्रोग्राम बनाते वक्त उनके कोड, संकलन, दस्तावेजीकरण, एकीकरण, रखरखाव, आवश्यकताओं के विश्लेषण, सॉफ्टवेयर, वास्तुकला, सॉफ्टवेयर परीक्षण, विनिर्देश, डिबगिंग इत्यादि में काम आती हैं। प्रोग्रामिंग में इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न भाषाओं की जानकारी वैसे तो इंजीनियरिंग करने वाले हर छात्र को प्रदान की जाती है, परंतु यदि छात्र चाहे तो इसमें अलग से डिप्लोमा कोर्स करके विशिष्टता प्राप्त कर सकता है।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग से तय करें अपना कद

कम्प्यूटर के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग अर्थात् कम्प्यूटर की भाषा का ज्ञान होना अत्यावश्यक है। सी, सी++,जावा स्क्रिप्ट, विजुअल बेसिक (वीबी), डॉट वेट, एचटीएमएल, डीएचटीएमएल, सीआईसी, ओरेकल, लाइनेक्स, यूनिक्स, असेम्बली इत्यादि ऐसी अनेक भाषाएं हैं, जो कम्प्यूटर में प्रोग्राम बनाते हुए प्रयोग में लाई जाती हैं। चूंकि कम्प्यूटर एक मशीन है, अत इससे बातचीत व विचार-विमर्श का माध्यम भी मशीनी ही है। पुराने समय में अबेकस तथा कोड के माध्यम से कोडन किया जाता था, परंतु बदलते समय के साथ भाषाओं में भी परिवर्तन आ गया है। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के बिना कम्प्यूटर शिक्षा अधूरी है। यह रेगुलर व पत्रचार दोनों माध्यमों से की जा सकती है। इनके अलावा यदि छात्र कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा करना चाहते हैं तो उन्हें विभिन्न भाषाओं का चयन करना होगा। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के कोर्स 6 महीने की अवधि से लेकर 2 साल तक किये जा सकते हैं। छात्र चाहें तो डिक्स अथवा डोएक नामक सरकारी संस्थानों से परीक्षा पास करके भी सर्टिफाइड कम्प्यूटर इंजीनियर बन सकते हैं। इन सभी की मूलभूत योग्यता 10+2 तथा ग्रेजुएशन है। ये सभी कोर्स फुल-टाइम तथा पार्टटाइम दोनों ही समयावधि के अनुसार किए जा सकते हैं। इस प्रकार कम्प्यूटर के आविष्कार ने जहां इंफोर्मेशन टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, वहीं इसके उपयोगकर्ताओं के सामने देश-विदेश में कार्य करने हेतु रोजगार के अनेक स्वर्णिम अवसर खोल दिए हैं। यहां पर कुछ कंप्यूटर कोर्स व उनकी अवधि की टेबल दी जा रही है, जिनको करके छात्र कंप्यूटर फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। आज ऐसा कोई भी क्षेत्र बाकी नहीं रह गया है, जहां कंप्यूटर शिक्षा की आवश्यकता नहीं पड़ती। प्रगतिशील देश होने के नाते भारत में इसकी विशेष उपयोगिता है। अत- कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में करियर बनाने वाले दो प्रकार के अध्ययनों द्वारा इस क्षेत्र में आ सकते हैं- पहला कम्प्यूटर में तकनीकी डिग्री प्राप्त करके, दूसरा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा करके। दोनों ही माध्यमों द्वारा छात्रों को कम्प्यूटर पर प्रोग्रामिंग बनाना तथा उसे प्रयोग में लाना सिखाया जाता है, ताकि कम्पनी बहुत ही कम समय में ज्यादा से ज्यादा काम कर पाए। इनमें पंजीकरण, फाइलें बनाना व संभालना, विश्लेषण करना, प्रस्तुतिकरण इत्यादि प्रमुख हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के शुरुआती दौर में छात्रों को एसेम्बली, सी, सी++,जावा स्क्रिप्ट, ऑरेकल डॉस इत्यादि भाषाओं की जानकारी दी जाती है। किसी भी प्रोग्राम को बनाने में इन भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बाद छात्रों को विजुअल बेसिक (वीबी), एसक्यूएल, डॉटवेट, डाटा स्ट्रक्चर, डाटा बेस मैनेजमेंट इत्यादि की जानकारी दी जाती है, ताकि छात्र उनका उपयोग करना सीख सकें। ईआरपी कुछ इसी प्रकार के एडवांस सॉफ्टवेयर हैं, जो स्पेशलाइजेशन द्वारा पेपर-वर्क काफी हद तक कम कर देते हैं। भारत में इस प्रकार के सॉफ्टवेयर बनाने में सैप कम्पनी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इसके अलावा छात्रों को फ्रंट-एंड तथा बैंक एंड यानी स्टोरेज के तरीकों से भी अवगत कराया जाता है। फ्रंड-एंड प्रोग्राम मॉनिटर स्क्रीन पर विंडोज की तरह चलाए जाते हैं, जबकि बैक-एंड डोस केवल की-बोर्ड द्वारा ही संचालित किए जा सकते हैं। इनमें माउस का इस्तेमाल ना के बराबर होता है। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के अंतर्गत एडवांस टेक्नॉलोजी एम्बेडिड है। इसके द्वारा बड़े-बड़े प्रोग्राम कम्पनियों द्वारा बनाए जाते हैं। इसके अंतर्गत चिप प्रोग्रामिंग, जिसका इस्तेमाल विशेष तौर पर मोबाइल तथा अन्य तकनीकी उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान दिखाया जाता है। इसका इस्तेमाल करने पर पेपर-वर्क ना के बराबर हो जाता है। कुछ अन्य विशिष्ट प्रकार के सॉफ्टवेयर विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार भी बनाए जाते हैं, जैसे लाइब्रेरी के लिए लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, एकाउन्टिंग ट्रांजेक्शन के लिए मर्लिन इत्यादि। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी इसका जीवंत उदाहरण है। यहां इसकी हर शाखा में कोहा कम्पनी द्वारा संचालित कोहा सॉफ्टवेयर चलाया जाता है, जो धारक की हर सूचना को बहुत ही सहज ढंग से एक ही क्लिक द्वारा प्रस्तुत कर देता है। दिल्ली में यह पहली लाइब्रेरी है, जिसने यह सेवा सभी के लिए फ्री में उपलब्ध करवाई है। अब इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल चंडीगढ़ की चितकारा यूनिवर्सिटी तथा अन्य यूनिवर्सिटी भी कर रही हैं। यह सॉफ्टवेयर पर्ल भाषा पर आधारित है तथा लाइनेक्स इत्यादि भाषाओं का भी प्रयोग किया हुआ है। इस प्रकार कम्प्यूटर के क्षेत्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का विशेष महत्व है। यह संचार का अभिन्न अंग है, जिसकी वजह से तकनीकी विज्ञान जीवन्त है। इसे अपनी सूझ-बूझ व क्षमता के अनुसार बहुत ही उपयोगी तथा विशिष्ट रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। यह सब उपयोगकर्ता पर निर्भर करता है।

नौकरी के अवसर

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग करने वाले छात्रों के लिए नौकरी के अवसर असीम हैं। अत- इस कोर्स को करने वाले छात्रों के बारे में यहां तक कहा जाता है कि वे कभी बेरोजगार नहीं रह सकते। कोर्स के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें स्टाइपेंड मिलना शुरू हो जाता है। तत्पश्चात् वे अपनी रुचि के अनुसार कम्प्यूटर प्रोग्रामर, कम्प्यूटर टीचर, फैकल्टी, लेक्चरर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हार्डवेयर/नेटवर्किंग इंजीनियर, प्रोजेक्ट हेड, विशिष्ट सलाहकार, कस्टमर केयर एग्जक्यूटिव, फ्रीलांसर, व्यवसायी इत्यादि बन सकते हैं। वे स्वयं अपना साइबर कैफे अथवा कोचिंग सेंटर खोल कर अपनी प्रतिभा जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा विभिन्न कंपनियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग तथा कम्प्यूटर भाषा संबंधी सेवा प्रदान कर फ्रीलांस प्रोजक्ट भी शुरू कर सकते हैं। वे कम्प्यूटर पार्ट्स असेम्बल कर नए कम्प्यूटर भी बना कर सकते हैं। बड़े पैमाने पर वे अपनी निजी कंपनी खोल कर अनेक को रोजगार देकर देश की तरक्की में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इतना ही नहीं, वे आउटसोर्सिंग करके विदेशों में भी अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

ओमिक्रॉन पर 70 से 94प्रतिशत तक कारगर होने का दावा

बूस्टर शॉट कितना प्रभावी: दुनिया के 36 देशों में दिया जा रहा कोरोना की तीसरा डोज

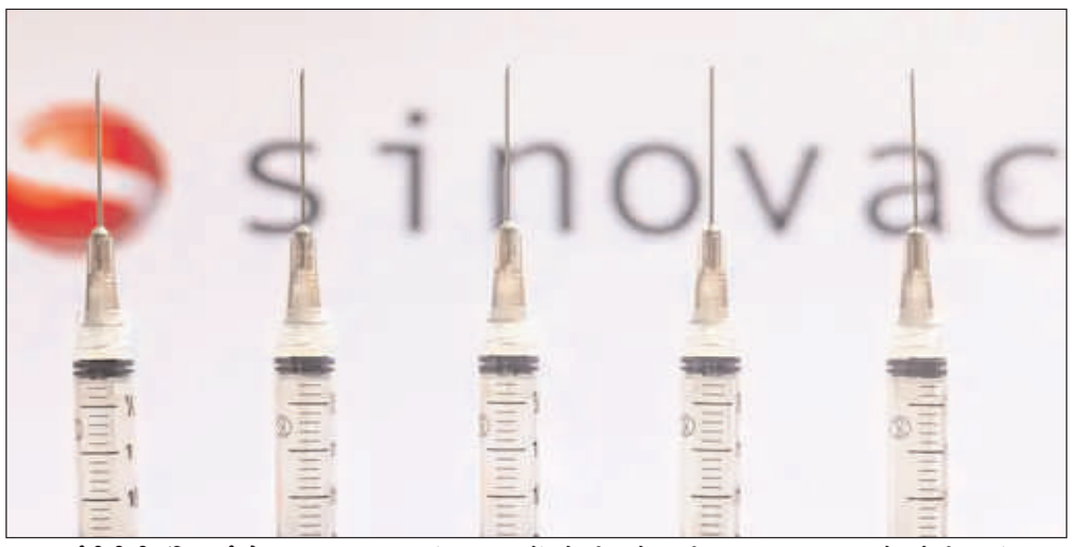

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज न्यूयार्क।अ

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ऐलान किया कि 10 जनवरी से हेल्थ वर्कर्स समेत करीब 3 करोड़ फ्रंट लाइन वर्कर्स को प्रिकॉशन डोज दी जाएगी।

इसके साथ ही 60+ उम्र के गंभीर बीमारी से पीड़ित नागरिकों को भी उनके डॉक्टर की सलाह पर वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज का विकल्प दिया जाएगा। इसकी भी शुरुआत 10 जनवरी से ही की जाएगी। कोरोना संक्रमित होने की सबसे ज्यादा संभावना वालों को दी जाने वाली बूस्टर डोज को प्रिकॉशन डोज कहते हैं।

वैक्सीन पर बूस्टर डोज कितना इफेक्टिव है?

ब्रिटेन- ब्रिटेन की हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी के मुताबिक, कोरोना की बूस्टर डोज ओमिक्रॉन वैरिएंट के सिम्पटोमैटिक इंफेक्शन के खिलाफ 70 से 75त्न तक सुरक्षा प्रदान करती है। हालांकि, यह स्टडी अभी शुरुआती चरणों में है, लिहाजा आने वाले दिनों में ज्यादा डेटा मिलने पर इसके नतीजों में बदलाव हो सकता है।

इलराइल- बूस्टर डोज देने की शुरुआत इजराइल से हुई थी। यहां अगस्त से ही नागरिकों को बूस्टर डोज दी जा रही है। अक्टूबर में इजराइल की सबसे बड़ी हेल्थ मेनटेनेंस ऑर्गेनाइजेशन क्लालिट हेल्थ सर्विस ने कराई थी। इसमें बूस्टर डोज लेने वाले 7.28 लाख लोगों का अध्ययन किया गया था। इसमें सामने आया दो डोज की तुलना में गंभीर संक्रमणों से बचाव में बूस्टर डोज 92प्रतिशत प्रभावी है।

चीन- चीन की बायोटेक कंपनी सीनोवैक ने बूस्टर डोज को लेकर एक स्टडी पब्लिश की है। इसमें सामने आया कि ओमिक्रॉन के वैरिएंट के खिलाफ तीसरा वैक्सीन डोज 94प्रतिशत प्रभावशाली है। कंपनी ने कुल 68 लोगों पर स्टडी की थी जिसमें से 20 ने सिर्फ दो डोज लिए थे, जबकि 48 ने तीन डोज लिए थे। पहले समूह के 7 लोगों में और दूसरे समूह के 45 लोगों में ओमिक्रॉन के खिलाफ एंटीबॉडी डेवलप हुईं।

अमेरिका- ओमिक्रॉन पर वैक्सीन इफेक्टिवनेस को लेकर फाइजर और मॉडर्ना ने भी स्टडी की थी। कंपनियों ने कहा था कि उनकी वैक्सीन का बूस्टर डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ भी इफेक्टिव है। वैक्सीन के दोनों डोज लगवाने के 5-6 महीने बाद एंटीबॉडी लेवल में कमी आने लगती है। इंग्लैंड में फाइजर वैक्सीन की इफेक्टिवनेस को लेकर की गई स्टडी में सामने आया था कि दूसरा डोज लगवाने के 2 हफ्ते तक वैक्सीन इंफेक्शन को रोकने में 90त्न कारगर है, लेकिन 5 महीने बाद केवल 70त्न ही कारगर रह जाती है। इसी स्टडी में मॉडर्ना वैक्सीन की इफेक्टिवनेस भी समय के साथ कम होती गई थी।

भारत में हो सकती है वैक्सीन डोज की कमी: देश में कोवैक्सिन और कोवीशील्ड की वैक्सीन लगाई जा रही हैं। 3 जनवरी से भारत में 15 से 18 साल के किशोरों को वैक्सीन लगाई जानी है। अगर किशोरों को कोवैक्सिन की डोज लगाई जाती है तो बुजुर्गों को लगाई जाने वाले बूस्टर शॉट के लिए पर्याप्त मात्रा में डोज तैयार रखना चुनौती का काम होगा।

पिछले दो डोज से अलग हो सकती है तीसरी डोज

देश की शीर्ष एडवाइजरी बॉडी की राय है कि लोग जिस वैक्सीन के दो डोज लगवा चुके हैं, उन्हें तीसरा डोज अलग कंपनी का लगेगा। यानी अगर आपने दो डोज कोवैक्सिन के लगवाए हैं तो तीसरा डोज कोवीशील्ड का लग सकता है। हालांकि इस बात की संभावना है कि तीसरा डोज किसी नई कंपनी की वैक्सीन से लगाया जाए। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, सूत्रों ने बताया है कि प्रिकॉशनरी डोज किसी अलग प्लेटफॉर्म की वैक्सीन से दिया जाएगा। अगले महीने कई कंपनियां अपनी वैक्सीन मार्केट में उतार रही हैं। इनमें हैदराबाद की बायोलॉजिकल ई की कॉर्बीवैक्स वैक्सीन का नाम सबसे आगे है। केंद्र ने कॉर्बीवैक्स को 1500 करोड़ रुपए का एडवांस पेमेंट किया है। इससे कंपनी 30 करोड़ डोज मुहैया कराएगी। सूत्रों के मुताबिक, कॉर्बीवैक्स को अगले दो हफ्तों में इमरजेंसी यूज अप्रूवल मिल सकता है।

कहां-कहां दिया जा रहा है बूस्टर डोज?

Our World in Data के मुताबिक, दुनियाभर के 35 से भी ज्यादा देश अपने नागरिकों को बूस्टर डोज दे रहे हैं। अलग-अलग देशों में कोमोर्बिडिटी (एक समय में एक से ज्यादा बीमारियां होना) और अलग-अलग फैक्टर को ध्यान में रखते हुए लोगों को कोरोना वैक्सीन का बूस्टर डोज दिया जा रहा है। इसकी शुरुआत अगस्त में इजरायल से हुई थी, जिसके बाद ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, नॉर्वे, जर्मनी समेत यूरोप के करीब सभी देशों के साथ अमेरिका, कनाडा, जापान, चीन, तुर्की जैसे देशों में बूस्टर डोज दिए जा रहे हैं।

सबसे शक्ति शाली टेलिस्कोप लॉन्च

हबल टेलीस्कोप से 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है 75 हजार करोड़ रु. का जेम्स वेब स्पेस, एलियन खोजेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप को आज यानी 25 दिसंबर को एरियन रॉकेट के जरिए फ्रेंच गुयाना स्थित लॉन्चिंग बेस से लॉन्च कर दिया गया है। इस टेलिस्कोप को नासा, यूरोपियन स्पेस एजेंसी और कैनेडियन स्पेस एजेंसी ने तैयार किया है। इस पर करीब 75 हजार करोड़ रुपए खर्च आया है। यह दुनिया का सबसे ताकतवर टेलिस्कोप है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अंतरिक्ष से धरती पर उड़ रही चिड़िया को भी आसानी से डिटेक्ट कर सकता है। 1990 में भेजे गए हबल टेलिस्कोप के मुकाबले यह 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। इसके जरिए ब्रह्मांड के शुरुआती काल में बने गैलेक्सी, उल्कापिंड और ग्रहों का भी पता लगाया जा सकता है। यह टेलिस्कोप ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने के साथ ही एलियन की मौजूदगी का भी पता लगाएगा। इसके जरिए वैज्ञानिक ब्रह्मांड के कई अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने की कोशिश करेंगे।

ऑप्टिक्स पर सोने की परत

टेलिस्कोप के ऑप्टिक्स पर सोने की बारीक परत चढ़ाई गई है। यह परत इंफ्रारेड लाइट को डिफलेक्ट कर देगी, इससे टेलिस्कोप ठंडा बना रहेगा। कैमरों को सूरज की हीट से बचाने के लिए इसमें टेनिस कोर्ट के आकार की 5 लेयर वाली सनशील्ड लगाई गई है। टेलिस्कोप का व्यास 21 मीटर है। यह प्रोग्राम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा इंटरनेशनल स्पेस साइंस प्रोजेक्ट है। इसका नाम नासा के दूसरे हेड जेम्स वेब के नाम पर रखा गया है। नासा ने इस टेलिस्कोप में समय के साथ कई एडवांस टेक्नोलॉजी जोड़ी है। इससे ब्रह्मांड के कई रहस्य सामने आ सकते हैं।

हबल टेलिस्कोप की जगह लेगा

1990 में हबल टेलिस्कोप को अंतरिक्ष में स्थापित किया था। 6 महीने पहले इसने अचानक काम करना बंद कर दिया। 1990 में हबल टेलिस्कोप को अंतरिक्ष में स्थापित किया था। 6 महीने पहले इसने अचानक काम करना बंद कर दिया। जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप को हबल टेलिस्कोप का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह हबल टेलिस्कोप की जगह लेगा। नासा ने अप्रैल 1990 में अपने पहले अंतरिक्ष टेलिस्कोप हबल को अंतरिक्ष में स्थापित किया था। इस टेलिस्कोप की मदद से ही ब्रह्मांड की उम्र 13 से 14 अरब वर्ष के बीच आंकी गई थी। हालांकि 6 महीने पहले हबल स्पेस टेलिस्कोप ने अचानक काम करना बंद कर दिया था।

यह तस्वीर केन्या के नैरोबी के फोर्ट जीसस में स्थित चर्च की है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सामूहिक प्रार्थना हुई।

न्यूज ब्रीफ

कौन ऊंटिनी बनेगी ब्यूटी क्वीनः सुंदर दिखने और मस्तानी चाल के लिए किसी के होठों की हो रही प्लास्टिक सर्जरी तो कोई लगवा रही बोटॉक्स इंजेक्शन

दुबई।असंयुक्त अरब अमीरात के रेगिस्तान में एक अनोखे ब्यूटी कंटेस्ट का आयोजन चल रहा है, जिसका ऊंट पालने वालों का बेसब्री से इंतजार रहा है। लोग अपनी ऊंटिनी को लेकर इस रेगिस्तानी इलाके में पहुंचे हैं, और सबकी जुबान पर यही सवाल है कि आखिर कौन ऊंटिनी सबसे सुंदर साबित होने वाली है।

40 हजार ऊंटिनी संयुक्त अरब अमीरात पहुंचीं: भले ही कोरोना वायरस का ओमिक्रॉन वैरिएंट दुनिया भर में फैल चुका है, लेकिन इन सबसे बेफिक्र बहरीन, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब और कतर के ऊंट पालने वाले दिग्गज, श्व में आयोजित अल धफरा महोत्सव के लिए अपनी सबसे खूबसूरत ऊंटिनी को लेकर पहुंचे हैं। न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के मुताबिक इस सप्ताह 40 हजार के करीब ऊंटिनी संयुक्त अरब अमीरात के दक्षिण-पश्चिमी रेगिस्तान पहुंची हैं।

सबसे सुंदर ऊंटिनी का चुनाव कैसे होता है?

हर साल होने वाले इस ब्यूटी कंटेस्ट में पांच सदस्यीय जूरी सबसे सुंदर ऊंटिनी पर अपना फैसला देगी। जूरी के सदस्यों का कहना है कि सुंदरता को देखने वाले की नजर से नहीं मापा जाएगा। ऊंट सौंदर्यशास्त्र का मूल्यांकन का मापदंड पीढ़ियों पहले निर्धारित कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रतियोगिता में केवल ऊंटिनी ही भाग लेती हैं क्योंकि नर ऊंट बहुत अधिक लड़ते-झगड़ते हैं। आयोजकों में से एक मोहम्मद अल-मुहारी ने ऊंटिनी की सुंदरता के कुछ मापदंड बताए। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि ऊंटिनी की गर्दन लंबी और पतली होनी चाहिए। गाल चौड़े और खुर बड़े होने चाहिए। होंठ लटकने चाहिए। ऊंट को खूबसुंदर मुद्रा के साथ लंबा चलना चाहिए। अल-मुहारी ने कहा, यह प्रतियोगिता इंसानों से बहुत अलग नहीं है।

अमेरिका में हाल ही में आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। केंटकी में दंपति तबाह हुए अपने घर के सामने बैठे हुए।

म्यांमार की सेना पर बड़ा आरोपः ह्यूमन राइट्स ग्रुप बोला- 30 लोगों की हत्या कर शवों को जलाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

म्यांमार के काया राज्य में महिलाओं और बच्चों सहित 30 से ज्यादा लोगों के जले हुए शव मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और एक स्थानीय ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने इस बारे में जानकारी दी। करेनी ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने बताया- शनिवार को म्यांमार के ह्पुसो शहर के मो-सो गांव के पास 30 लोगों के जले हुए शव मिले हैं, जिन्हें सेना ने मार दिया था। वहीं सेना का कहना है कि उसने हथियारबंद आतंकवादियों के एक ग्रुप को मार गिराया है।

रिलेशनशिप टूटा तो एक्स ब्वॉयफ्रेंड ने फेंका एसिड, 2 साल बाद युवती ने उसी से कर ली शादी

अंकारा।अतुर्की में 20 साल की एसिड सर्वाइवर युवती ने उसके ऊपर एसिड फेंकने वाले शख्स से ही शादी कर ली। यह शादी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोग इसके लिए लड़की की आलोचना कर रहे हैं तो, वहीं कुछ इसे निजी फैसला बताकर समर्थन कर रहे हैं। इस एसिड सर्वाइवर का नाम बेरफिन ओजेक है, जिस पर 2019 में कासिम ओजन सेल?टी नाम के लड़के ने एसिड फेंका था। आरोपी के लगातार माफी मांगने के बाद पीड़िता को दया आ गई और उसने आरोपी युवक से ही शादी कर ली।

US के फ्रेंडशिप सर्किल में चीन की घुसपैठःड्रैगन की मदद से बैलेस्टिक मिसाइल बना रहा सऊदी अरब

ईरान पर भी बाइडेन की पॉलिसी फेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की फॉरेन पॉलिसी पर सवाल उठना नई बात नहीं है। लेकिन, हाल ही में आई एक खबर अमेरिका को डिफेंस और फॉरेन पॉलिसी, दोनों फ्रंट पर मुश्किल में डालती नजर आ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने बेहद गुपचुप तरीके से अरब देशों में पैठ बना ली है। खासतौर पर अमेरिका के फ्रेंडशिप सर्किल वाले खाड़ी देशों में भी चीन की घुसपैठ हो गई है। अमेरिका के सबसे करीबियों में से एक सऊदी अरब ने तो अपने ही देश में चीन की मदद से एक सीक्रेट ठिकाना तैयार किया है, जहां वह अपनी बैलेस्टिक मिसाइल बना रहा है। इसकी सैटेलाइट इमेजेस भी सामने आ चुकी हैं। मिसाइल डेवलपमेंट में भी ड्रैगन उसकी मदद कर रहा है। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने अब तक इस खुलासे पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। चीन भी हमेशा की तरह चुप है।

कैसे हुआ इस बात का खुलासा

अमेरिकी टीवी चैनल ष्टह्वह्व ने देश की खुफिया एजेंसीज के पास मौजूद सैटेलाइट इमेजेस जारी की हैं। इनमें कंस्ट्रक्शन साइट के अलावा वो जगह भी नजर आती है, जिसमें टेस्टिंग के बाद निकला कचरा

ठिकाने लगया जा रहा है।

इसमें साजिश क्या है

इमेजेस से साफ हो जाता है कि चीन अब ईरान का डर दिखाकर अरब देशों को गिरफ्त में ले रहा है। सऊदी अरब पहले भी चीन से बैलेस्टिक मिसाइल खरीद चुका है। ष्टह्वह्व से बातचीत में तीन सूत्रों ने माना कि चीन और सऊदी अरब मिलकर बैलेस्टिक मिसाइल बना रहे हैं। चीन ने सेंसेटिव टेक्नोलॉजी भी सऊदी अरब को ट्रांसफर की है। एक लोकेशन की पहचान अमेरिकी एजेंसियों ने कर ली है। चीन और सऊदी अरब, दोनों ही इस मामले पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं, लिहाजा यह कहना बेहद मुश्किल है कि यह प्रोग्राम किस स्टेज में है।

क्यों कामयाब हो रहा चीन

अमेरिका, इजराइल, यूरोप और अरब देश। इन सभी को साझा खतरा ईरान के एटमी ताकत बनने से है। डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को ताकत से रोकना चाहते थे। बाइडेन ने डिप्लोमैसी का रास्ता अपनाया। ये अब तक कारगर साबित नहीं हुआ। बाइडेन ने सऊदी अरब या खाड़ी देशों को वो तवज्जो नहीं दी, जो पहले की अमेरिकी सरकारें देती आईं थीं। चीन ने इसका फायदा उठाया। सीक्रेट और बैकडोर डिप्लोमैसी के तहत सऊदी और दूसरे खाड़ी देशों में जगह बना ली। अब तस्वीरें गवाही दे रही हैं कि चीन कहां तक पहुंच गया है। आज अगर अमेरिका सऊदी अरब पर दबाव डालता है तो उसे चीन से भी बात करनी होगी। चीन का का कहना है कि सऊदी से उसके करीबी रिश्ते हैं। वहीं, सऊदी अरब एक भी शब्द बोलने को तैयार नहीं है। ष्टह्वह्व का दावा है कि अमेरिकी एजेंसियों को 2019 से चीन-सऊदी के बीच पक रही खिचड़ी की जानकारी है।

चुप क्यों है अमेरिका

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बाइडेन से पहले डोनाल्ड ट्रम्प भी सऊदी-चीन की इस साजिश से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। पहले बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रम्प पर आरोप लगाती थी। अब ट्रम्प आरोप लगा रहे हैं और बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन चुप है। हाल ही में सिक्योरिटी कमेटी में शामिल कुछ अमेरिकी सांसदों को इस मामले की जानकारी दी गई है। कुछ चीनी और सऊदी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। दिक्कत ये है कि अगर ईरान का मुकाबला करने के लिए सऊदी अरब भी उसी रास्ते पर चल पड़ा तो अरब देशों में हथियारों की नई दौड़ शुरू होने का खतरा है।

न्यूज ब्रीफ

आई लीग की शुरूआत में सभी की नजरें आईएसएल स्टार मार्शेलिन्हो पर

कोलकाता। राजस्थान युनाइटेड एफसी आई लीग फुटबाल के पहले मैच में राऊंड ग्लास पंजाब एफसी से खेलेगी तो सभी की नजरें ब्राजील के स्टार मार्शेलिन्हो लेइटे परेरा पर होगी। मार्शेलिन्हो ने इंडियन सुपर लीग में 2016 में अपने पदार्पण सत्र में ही 10 गोल करके गोल्डन बूट जीता था। दिल्ली डायनामोस के साथ शुरूआत करने के बाद पुणे सिटी एफसी, हैदराबाद एफसी, ओडिशा एफसी और एटीके मोहन बागान के लिए खेल चुके मार्शेलिन्हो 79 मैच में 33 गोल कर चुके हैं। अब वह आरयूएफसी के लिए खेलेंगे जो आई लीग के लिए क्वालीफाई करने वाली राजस्थान की पहली टीम है। ब्राजील के इस स्टार खिलाड़ी ने कहा कि यह नई टीम है और मैं युवा खिलाडियों के लिए मिसाल पेश करना चाहता हूं। इसके साथ ही अपने खेल का पूरा मजा भी लेना चाहता हूं। दूसरी ओर पंजाब के पास इंग्लैंड के डिफेंडर जोसेफ यार्ने, स्पेन के मिडफील्डर जोसेबा बेइतिया, इंग्लैंड के स्ट्राइकर कुर्तिस जी जैसे सितारे हैं। पहले दिन के अन्य मैच में गोकुलम केरला का सामना पूर्व चैम्पियन चर्चिल ब्रदर्स से होगा। वहीं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की डेवलपमेंटल टीम इंडियन एरोज की टक्कर ट्राउ एफसी से होगी।

नोवाक जोकोविच ने एटीपी कप में खेलने से किया इंकार

बेलग्रेड। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले 31 दिसंबर से शुरू हो रहे एटीपी कप में नहीं खेलेंगे। उनकी टीम ने शनिवार को सर्बियाई अखबार ब्लिक को इसकी पुष्टि की। उनकी टीम के एक सदस्य ने कहा कि 99 प्रतिशत निश्चित है कि नोवाक एटीपी कप में नहीं खेलेंगे। वह यहां बेलग्रेड में प्रशिक्षण ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में ही उनकी भागीदारी संदेह के घेरे में है। क्योंकि उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया है कि उन्होंने कोरोना वैक्सीन लगाई है या नहीं। उल्लेखनीय है कि सिडनी में खेला जाने वाला एटीपी कप एक टीम टूर्नामेंट है जो परंपरागत रूप से पुरुषों के टेनिस सीजन की शुरुआत करता है। दुनिया के नंबर एक जोकोविच 17 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीत सकते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए उन्हें और उनकी टीम के सदस्यों को कोरोना वैक्सीन लगवानी होगी। जोकोविच ने पिछले कुछ महीनों पहले ऑस्ट्रेलियाई सरकार के इस फैसले पर विरोध जताया था। इतना ही नहीं उनके पिता सरजन ने नवंबर में एक बयान में कहा था कि जोकोविच शायद ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलेंगे। उन्होंने आयोजकों पर ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया था।

पल्टन ने जीत का खाता खोला, टाइटंस को मिली पहली हार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बेंगलुरू

पुनेरी पल्टन ने पांच मिनट के खेल के बाद ही मैट से बाहर किए गए अपने सुपरस्टार राहुल चौधरी के बिना ही शानदार खेल दिखाते हुए प्रो कबड्डी लीग के आठवें सीजन के अपने दूसरे मैच में तेलुगू टाइटंस को 34-33 के अंतर से हराकर जीत का खाता खोला। टाइटंस को हालांकि जीत के लिए इंतजार करना होगा। टाइटंस ने अपने पहले मैच में तमिल थलाइवाज के खिलाफ टाई खेला था। टाइटंस के लिए सिद्धार्थ बाहुबली देसाई फार्म में लौटे और कुल 15 अंक अपने नाम किए लेकिन दूसरे रेडरों से साथ नहीं मिल पाने के कारण वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा

सके। दूसरी ओर, पल्टन की ओर से सब्सीट्यूट मोहित गोयत ने 9 अंक तथा असलसम इनामदार ने 8 अंक बटोरकर देसाई के आंकड़ों को छोटा साबित कर दिया। देसाई पल्टन के लिए सबसे बड़ा खतरा थे। शुरुआती छह मिनट में वह चार अंक निकाल चुके थे। टाइटंस को 5-4 की लीड मिली हुई थी जल्द ही पल्टन 8-6 की लीड पर थे। देसाई ने अपनी पांचवीं रेड पर अंक लेते हुए स्कोर 7-8 किया। टाइटंस ने पंकज मोहिते को लपककर स्कोर 8-8 कर दिया। पल्टन के पाले में तीन खिलाड़ी थे। बोनस आन था और साथ ही सुपर टैकल भी। स्कोर 9-9 था। पल्टन ने देसाई के खिलाफ सुपर टैकल कर 11-9 की लीड ले ली। अब चौधरी अंदर गए थे। पल्टन का डिफेंस शानदार खेल रहा था। उसने एक और टैकल के साथ स्कोर 12-9 कर दिया। टाइटंस ने मोहित गोयत को डू ओर डाई रेड पर लपककर देसाई को अंदर आने का मौका दिया। अगली रेड पर देसाई संतुलन गंवा बैठे और शिकार कर लिए गए लेकिन उससे पहले संकेत देसाई एंडलाइन टच कर चुके थे। संकेत सहित सभी डिफेंडर्स ने देसाई को लपक लिया। रिव्यू लिया गया, जिसमें पांच अंक टाइटंस को मिला और देसाई के आउट होने पर पल्टन को भी एक अंक मिला। स्कोर 13-14 था। इसके बाद पल्टन को आलआउट कर 17-14 की लीड ले ली। देसाई ने अब सुपर रेड पूरा किया और टाइटंस को 20-14 से आगे कर दिया।

कप्तानी विवाद पर द्रविड़ के कड़े बोलःबिना कोहली के हेड कोच ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस; बोले-

कप्तानी टीम इंडिया का अंदरूनी मसला, मीडिया और पब्लिक का नहीं

टीम का कप्तान कौन होगा यह सिलेक्टर्स का काम है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में दो अलग कप्तान होने चाहिए या नहीं इस पर मैं कुछ नहीं कहूंगा।

राहुल द्रविड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय कप्तानी विवाद के बीच साउथ अफ्रीका में है। टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने पहले टेस्ट मैच से एक दिन पहले इस बारे में सवाल पूछे जाने पर बेहद तीखा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कप्तानी को लेकर कोई भी बातचीत टीम का अंदरूनी मामला है। यह मीडिया या पब्लिक के लिए नहीं है। खास बात यह कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्रविड़ अकेले मौजूद थे, कप्तान कोहली नहीं। आमतौर पर कोच और कप्तान साथ मौजूद रहते हैं। द्रविड़ अपने बल्लेबाजी के दिनों में जिस तरह तेज से तेज गेंद को आसानी से छोड़ देते थे, कप्तानी से जुड़े सवाल को भी उन्होंने उसी अंदाज में डक कर दिया।

कप्तान चुनना सिलेक्टर्स का काम- द्रविड़

द्रविड़ ने कहा कि टीम का कप्तान कौन होगा यह सिलेक्टर्स का काम है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में दो अलग कप्तान होने चाहिए या नहीं इस पर मैं कुछ नहीं कहूंगा।यह कप्तानी मसले पर बात करने के लिए उचित जगह और समय नहीं है। टीम में अंदर जो बात होती है उसे मैं किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं करूंगा।

वनडे में कप्तान बने रहना चाहते थे विराट

विराट कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप से पहले सबसे छोटे फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। इसके बाद सिलेक्टर्स ने वनडे और टी-20 दोनों में रोहित शर्मा को कप्तान बना दिया। विराट ने बाद में कहा कि वे वनडे की कप्तानी जारी रखना चाहते थे और सिलेक्टर्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा से महज 90 मिनट पहले उन्हें बदलाव के बारे में बताया।

शापोवालोव आस्ट्रेलिया पहुंचने पर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सिडनी

कनाडा के टेनिस स्टार डेनिस शापोवालोव ने घोषणा की है कि एटीपी कप के लिए सिडनी पहुंचने के बाद उन्हें कोविड-19 के परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया है। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी आस्ट्रेलिया पहुंचने वाली कनाडाई टीम का हिस्सा है। एटीपी कप सिडनी में एक से नौ जनवरी के बीच खेला जाएगा जबकि आस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होगा। शापोवालोव पिछले सप्ताह अबुधाबी में विश्व टेनिस चैंपियनशिप के प्रदर्शनी मैच में खेले थे जहां उन्होंने तीसरे स्थान के प्लेऑफ मैच में राफेल नडाल को हराया था। नडाल को इस टूर्नामेंट में खेलने के बाद कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया था। उनके अलावा तोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच और ट्यूनीशिया की ओंस जाबुर का परीक्षण भी पॉजिटिव आया था। विश्व के पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी शापोवालोव ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह पृथकवास पर हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। शापोवालोव ने कहा कि सभी को सूचित करना चाहता हूं कि सिडनी पहुंचने पर कोविड के लिए किया गया मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है। मैं सभी दिशानिर्देशों का पालन कर रहा हूं जिसमें पृथकवास पर रहना शामिल है तथा उन लोगों को सूचित कर रहा हूं जो मेरे संपर्क में रहे।

सनवे सिट्जस इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2021 का खिताब उज्बेकिस्तान के युवा ग्रांड मास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव नें बेहद रोमांचक टाईब्रेक में अपने नाम कर लिया । दसवें राउंड के समापन के बाद चार खिलाड़ी पूर्व विजेता बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव नें जर्मनी के कोल्लार्स दिमित्रीज , भारत के अभिमन्यु पौराणिक और उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक 8 अंक बनाकर सयुंक्त पहले स्थान पर थे और ऐसे में सिट्जस के खास टाईब्रेक नियमों के अनुसार इन चारो खिलाड़ियों के बीच ब्लिट्ज टाईब्रेक प्ले ऑफ खेले गए , जिसमें सबसे पहले फ़ाइनल टाईब्रेक पहुँचने के लिए अभिमन्यु से कोल्लार्स और नोदिरबेक से चेपारिनोव का मुक़ाबला हुआ जिसमें नोदिरबेक और कोल्लार्स 2-0 से जीतकर फाइनल टाईब्रेक में पहुँच गए।

द. अफ्रीका के पूर्व कप्तान का बड़ा बयान, पिछले 30 सालों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ पेस अटैक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सेंचुरियन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और प्रशासक अली बाकर का मानना है कि भारत के पास पिछले 30 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण है और इसलिए वह तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। दक्षिण अफ्रीका उन कुछ स्थानों में से एक है जहां भारत ने अभी तक टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम इस बार यह इंतजार समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाकर ने कहा कि पहला टेस्ट मैच सेंचुरियन में खेला जाएगा जो समुद्र तल से 5000 फुट ऊपर और

दूसरा मैच जोहानिसबर्ग के वांडरर्स में खेला जाएगा जो समुद्र तल से 6000 फुट ऊपर है। इन दो टेस्ट मैदानों की अलग तरह की भौगोलिक परिस्थितियां तथा वांडरर्स और सुपर स्पोर्ट पार्क में तेज उछाल वाली पिचें आमतौर पर तेज गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। बाकर ने कहा कि भारतीय टीम के पास पिछले 30 वर्षों में सबसे अच्छा तेज गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए भारत पहले दो टेस्ट मैचों में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और उमेश यादव शामिल हैं।

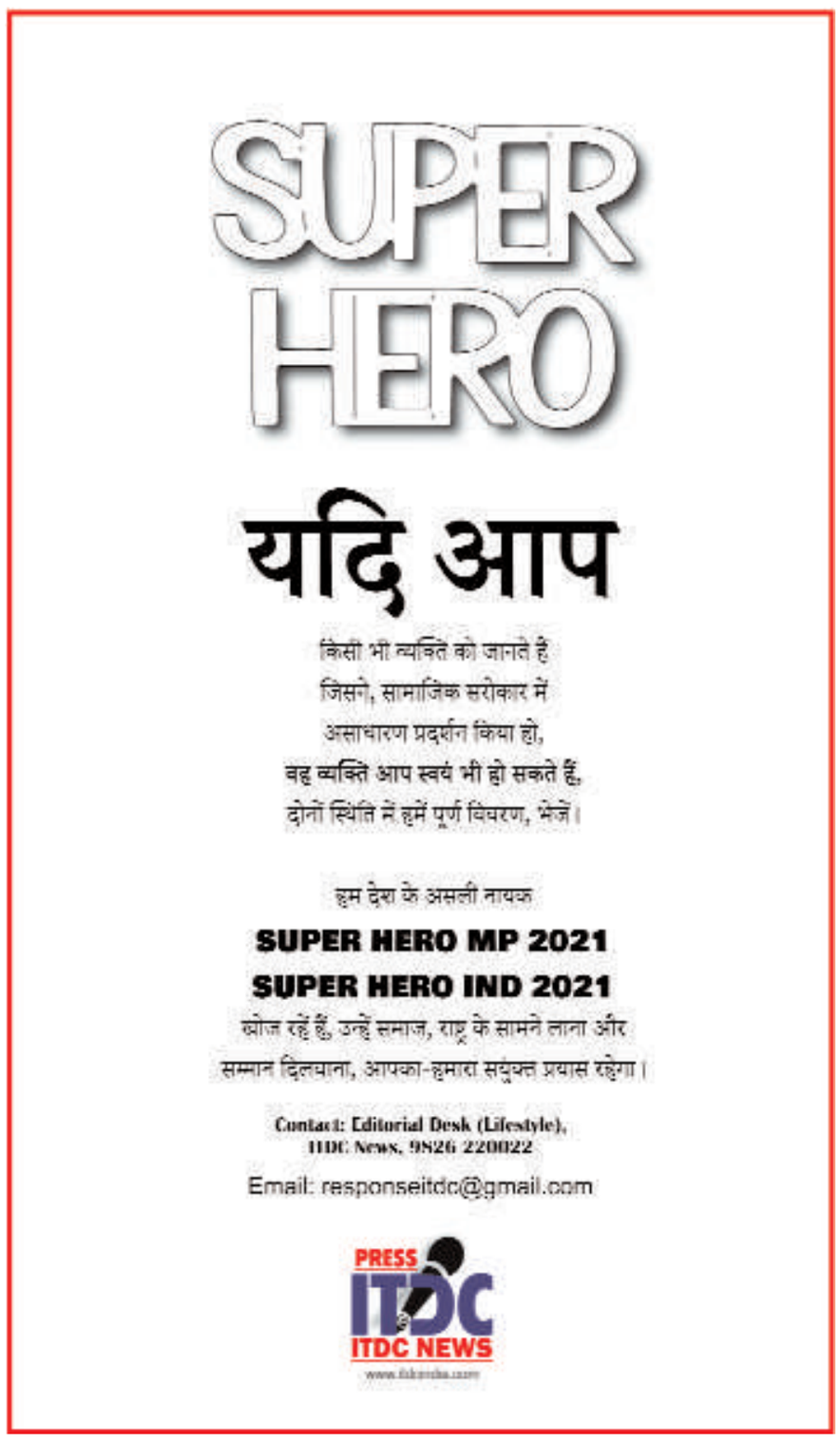

न्यूज ब्रीफ

आरबीएल बैंक के एमडी, सीईओ विश्ववीर आहूजा ने पद छोड़ा

नई दिल्ली। आरबीएल बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विश्ववीर आहूजा ने अपना पद छोड़ दिया है इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने मुख्य महाप्रबंधक योगेश के दयाल को आरबीएल बैंक के बोर्ड में अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि बैंक के बोर्ड ने ''विश्ववीर आहूजा के तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने के अनुरोध'' को स्वीकार कर लिया है।

वेदांत की प्रवर्तक वेस्टग्लोब कंपनी से बाहर निकली, बेचे शेयर

मुंबई। अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांत लिमिटेड की प्रवर्तक वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस ने आज कंपनी के 4.43 करोड़ शेयर अन्य प्रवर्तक कंपनी वेस्टग्लोब लिमिटेड से 340 रुपये प्रति शेयर भाव पर खरीदे। वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस ने इस पर कुल 1,509.4 करोड़ रुपये खर्च किए। इस तरह से वेस्टग्लोब लिमिटेड को निकासी का रास्ता उपलब्ध कराया। वेस्टग्लोब लिमिटेड के पास कंपनी की 1.9 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसकी बिक्री वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस को करने के बाद वह पूरी तरह से बाहर निकल गई है और वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस की हिस्सेदारी अब 4.08 फीसदी हो गई है, जो 30 सितंबर, 2021 को 2.89 फीसदी थी। नवंबर में वेदांत लिमिटेड की अन्य प्रवर्तक ट्विन स्टार होल्डिंग्स लिमिटेड और वेदांत नीदरलैंड्स इन्वेस्टमेंट बी. वी. ने कंपनी के 13.86 करोड़ शेयर 349.7 रुपये के भाव पर खरीदे थे। इससे कुल खरीद 4,846 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कुल मिलाकर प्रवर्तकों ने कंपनी की 3.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी क्योंकि ट्विन स्टार होल्डिंग्स ने 2.36 फीसदी और वेदात नीदरलैंड्स इन्वेस्टमेंट्स ने 1.35 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी।

इ[टी फंडों ने एनएफओ से जुटाए 46,700 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इक्विटी बाजारों में तेजी और इक्विटी योजनाओं के मजबूत प्रदर्शन की वजह से म्युचुअल फंडों को मौजूदा कैलेंडर वर्ष में नए फंड ऑफरों (एनएफओ) के जरिये 46,752.37 करोड़ रुपये जुटाने में मदद मिली। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में एनएफओ संग्रह पिछले 10 साल में सर्वाधिक रहा और 70 इक्विटी योजनाओं में से 13 ने करीब 75 प्रतिशत राशि हासिल की। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बिजनेस साइकल फंड ऐसे मुख्य फंड रहे जिन्होंने एनएफओ में 9,808 करोड़ रुपये और 4,185 करोड़ रुपये जुटाए।

सबसे बड़े ऑनलाइन खिलाड़ी

इन-ऐप खरीदारी में हमने सालभर में 3770 करोड़ रुपए खर्च किए, बैटल गेम कंपनियों को बनाया मालामाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जाने वाला हर साल इंसान को कुछ सिखाकर, कोई पाठ पढ़ाकर ही विदा लेता है। पिछले दो साल में कोरोनाकाल के दौरान लोगों ने डिजिटली काफी कुछ सीखा हैं। फिर चाहे वो ऑनलाइन पेमेंट करने की बात हो। या फिर ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्रॉम होम की। बच्चे इस दौरान ऑनलाइन गेमिंग के करीब पहुंच गए। भारत अब गेमिंग ऐप के लिहाज से गूगल प्ले स्टोर और एपल प्ले स्टोर के लिए सबसे बड़े बाजारों में से एक है। देश के लोगों ने मोबाइल गेम्स पर जमकर पैसे खर्च भी किए हैं। क्राफ्टन इंक कंपनी में इंडिया और मिडिल ईस्ट एंड नॉर्थ अफ्रीका के हेड, अनुज टंडन ने बताया कि 2020 से 2021 तक एक बड़ा बदलाव यह था कि लोगों ने मोबाइल गेम्स पर ज्यादा पैसे खर्च करना शुरू कर दिए हैं। 2020 में लोगों का गेम्स को लेकर इंगेजमेंट भी ज्यादा रहा है। 2022 में भी ये सिलसिला जारी रहेगा। ऐप की खरीदारी में इस साल ज्यादा तेजी आएगी। रियल मनी गेम्स का रेवेन्यू 13 हजार करोड़ से ज्यादा टंडन के अनुसार, बैटल रॉयल बेस्ड चार से पांच मोबाइल गेम भारत में इन-ऐप खरीदारी से 100 मिलियन डॉलर (करीब 754 करोड़ रुपए) से ज्यादा कमा रहे हैं। इन गेम्स का रेवेन्यू लगातार बढ़ रहा है। 2022 में इन-ऐप खरीदारी से देश की इकोनॉमी भी बूस्ट होगी। अभी इनमें रियल मनी गेम्स शामिल नहीं हैं। गेमिंग और इंटरेक्टिव मीडिया वेंचर फंड लुमिकाई और कंसल्टिंग फर्म रेडसीर की रिपोर्ट के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2020 में रियल मनी गेम्स का रेवेन्यू 1.8 बिलियन डॉलर (करीब 13.58 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंच गया। उसका ओवरऑल इंडस्ट्री में 51 फीसदी योगदान रहा।

भारत में रॉयल बैटल गेम्स हो रहे पॉपुलर:- महामारी के दौरान मोबाइल गेम्स के लोगों के लिए टाइमपास करने का बेहतर जरिया बने हैं। जिन गेम्स को एक साथ कई लोग खेल सकते हैं उन्होंने परिवार और दोस्तों को साथ आने का मौका दिया। गेम्स लोगों के लिए मेलजोल बढ़ाने का तरीका भी बन गए। गेम डेवलपमेंट फर्म सुपर गेमिंग के को-फाउंडर संकेत नाधानी ने कहा कि यदि आप एक सिंपल या हाइपर कैजुअल गेम कुछ दिनों के लिए खेलते हैं, तब इसमें पैसा खर्च नहीं करना चाहेंगे। लेकिन आप इन गेम्स को महीनों तक खेलना चाहते हैं तब इस अपग्रेड करने के लिए पैसा जरूर खर्च करेंगे। मास्कगन जो एक शूटिंग गेम है।

भारत के गेमिंग मार्केट का अलग-अलग सेगमेंट (%)

गेम सेगमेंट	FY19	FY20	FY21	FY26 (F)
रियल मनी गेम	72%	49%	52%	50%
कैजुअल एंड हाइपर कैजुअल	8%	24%	24%	27%
मिड एंड हार्ड कोर	12%	22%	19%	19%
ईस्पोर्ट्स एंड ईस्ट्रीमिंग	0%	1%	2%	3%
पीसी एंड कंसोल	7%	3%	3%	1%

सोर्स: RedSeer सर्वे एंड एनालिसिस

तेजी से बढ़ता एशियाई बाजार

मार्केट रिसर्च और कंसल्टिंग फर्म निको पार्टनर्स के अनुसार, भारत मोबाइल गेम्स और पीसी गेमिंग को लेकर एशिया का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बन गया है। 2021 में उसका प्रोजेक्टेड रेवेन्यू 534.1 मिलियन डॉलर (करीब 4 हजार करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है। अगले पांच साल में इसकी कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (ष्टत्रक्र) 29.8 फीसदी रहने का अनुमान है। माना जा रहा है कि 2025 तक इसका रेवेन्यू 1.49 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) के पास पहुंच जाएगा। इसमें रियल मनी गेम्स का रेवेन्यू शामिल नहीं है। नाजरा टेक्नोलॉजीज के चीफ एग्जीक्यूटिव मनीष अग्रवाल का मानना है कि गूगल प्ले और एपल प्ले स्टोर पर भारत में इन-ऐप खरीदारी लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 3770 करोड़ रुपए) को पार कर रही है।

439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.38 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक निवेश वाली कम से कम 439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में कुल 4.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। ऐसी 1,679 परियोजनाओं में से 439 परियोजनाओं ने लागत में वृद्धि की सूचना दी और 541 परियोजनाओं में देरी हुई। मंत्रालय की नवबंर 2021 के लिए ताजा रिपोर्ट में कहा गया, ''1,679 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 22,29,544.27 करोड़ रुपये थी और अब उनके पूरा होने की अनुमानित लागत 26,67,593.85 करोड़ रुपये है, जो 4,38,049.58 करोड़ रुपये (मूल लागत का 19.65 फीसदी) की कुल लागत वृद्धि को दर्शाता है।'' रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2021 तक इन परियोजनाओं पर 12,88,558.49 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 48.30 फीसदी है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि यदि देरी की गणना परियोजनाओं को पूरा करने के संशोधित कार्यक्रम के आधार पर की जाए तो देरी से चलने वाली परियोजनाओं की संख्या घटकर 385 तक हो सकती है।

विमानन कंपनी इंडिगो, स्पाइसजेट के शेयर में तेजी

मुंबई । पिछले एक महीने के दौरान स्टॉक एक्सचेंज पर विमानन कंपनी इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और स्पाइसजेट के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। तेजी से फैल रहे कोरोनावायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट को देखते हुए दुनिया भर में यात्रा पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। इससे विमानन शेयरों को झटका लगा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों की बहाली को कम से कम 31 जनवरी 2022 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। इसे देखते हुए इंडिगो और स्पाइसजेट के शेयरों में पिछले एक महीने के दौरान क्रमश- 8 फीसदी और 19 फीसदी की गिरावट आई जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में करीब 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

केंद्र ने सहकारी समितियों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने पर परामर्श शुरू किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र ने सहकारी समितियों पर एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श शुरू किया है इस संबंध में हाल ही में पहली बैठक सहकारिता सचिव डी के सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा सहकारी संघों, आरबीआई, नाबार्ड और आईआरएमए जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे। सहकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का सभी ने स्वागत किया। यह सहकारी क्षेत्र में नीति निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन होगा।'' उन्होंने कहा कि कई राज्य सरकारें और केंद्रीय मंत्रालय सहकारी समितियों के लाभ के लिए योजनाएं चला रहे हैं, लेकिन इस समय कोई प्रामाणिक डेटाबेस नहीं है। अधिकारी ने कहा कि डेटाबेस को सुव्यवस्थित करने के लिए हितधारकों से डिजिटल या भौतिक रूप में उपलब्ध डेटा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि हितधारकों से आंकड़ों को तत्काल अपडेट करने और इसके लिए तंत्र स्थापित करने पर अपने विचार देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा आंकड़ों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी सुझाव मांगे गए हैं। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के आंकड़ों के अनुसार इस समय 8.5 लाख सहकारी समितियां हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत ऋण सहकारी समितियां हैं और शेष 80 प्रतिशत गैर-ऋण सहकारी समितियां हैं।

शीर्ष 10 कंपनियों में पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पिछले सप्ताह देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार पूंजीकरण 1 समीक्षाधीन अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और विप्रो लाभ में रहे, जबकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में गिरावट हुई। बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 112.57 अंक या 0.10 फीसदी चढ़ा। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 30,720.62 करोड़ रुपये बढ़कर 13,57,644.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 21,035.95 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 16,04,154.56 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,656.95 करोड़ रुपये बढ़कर 7,83,779.99 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16,000.71 करोड़ रुपये बढ़कर 5,40,053.55 करोड़ रुपये हो गया। विप्रो का बाजार पूंजीकरण 15,730.86 करोड़ रुपये बढ़कर 3,82,857.25 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,619.95 करोड़ रुपये घटकर 7,97,609.94 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 15,083.97 करोड़ रुपये घटकर 4,58,838.89 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,727.82 करोड़ रुपये घटकर 4,07,720.88 करोड़ रुपये रह गया।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।